Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 268
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 04 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 मराठी भाषा सदैव अभिजात वर्ग में रहेगी -....

4 भविष्य की आपदा, अभी भी गर्मी बढ़ाने में ...

7 आस्ट्रेलिया वनडे : बुमराह-गिल के कार्यभार...

संक्षिप्त न्यूज

विदेश मंत्री जयशंकर जेएनयू में अरावली शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर छह अक्टूबर को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में दो दिवसीय अरावली शिखर सम्मेलन-2025 का उद्घाटन करेंगे। स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईएस) विदेश मंत्रालय और चिंतन रिसर्च फाउंडेशन के सहयोग से जेएनयू में इस शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। एसआईएस के डीन, प्रोफेसर अमिताभ मट्टू ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 'भारत और विश्व व्यवस्था : 2047 की तैयारी' विषय पर आधारित अरावली शिखर सम्मेलन-2025 का आयोजन एसआईएस के 70वें वर्षगांठ समारोह के हिस्से के रूप में किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि एसआईएस के छात्र रह चुके जयशंकर मुख्य अतिथि के रूप में इस शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान जेएनयू के कुलाधिपति कंवल सिब्बल, कुलपति प्रोफेसर शांतिश्री धुलिपुड़ी पंडित, प्रोफेसर मट्टू और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद होंगे।

आयोजकों ने बताया कि शिखर सम्मेलन में 'इंटरनेशनल स्टडीज' पत्रिका के एक विशेष संस्करण का विमोचन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसमें जेएनयू के इतिहास और योगदान पर 15 मिनट की एक वृत्तचित्र भी प्रदर्शित की जाएगी। आयोजकों ने यह भी घोषणा की कि अरावली शिखर सम्मेलन अब हर साल आयोजित किया जाएगा।

प्रोफेसर मट्टू ने कहा, 'अरावली शिखर सम्मेलन संस्थान के 70वें वर्षगांठ समारोह में एक महत्वपूर्ण पल है। एसआईएस लंबे समय से एक ऐसा केंद्र रहा है, जहां विद्वत्ता और नीति आपस में मिलते हैं, तथा यह सम्मेलन उसी भावना का प्रतीक है।' उन्होंने कहा, 'इस अशांत दौर में, हमें अपनी विदेश नीति में प्राचीन ज्ञान को समाहित करने की आवश्यकता है, जैसे कि अरावली की प्राचीन पर्वत श्रृंखला।

युवाओं को तोहफा देंगे प्रधानमंत्री मोदी, रू 62000 करोड़ की योजनाएं करेंगे लॉन्च; बिहार पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को युवाओं और शिक्षा से जुड़ी कई बड़ी योजनाएं शुरू करने वाले हैं। इन योजनाओं की कुल लागत 62,000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। सरकार का कहना है कि इससे युवाओं की पढ़ाई, स्किल ट्रेनिंग (कौशल विकास) और रोजगार के मौके बढ़ेंगे।

पीएम-सेतु योजना (60,000 करोड़ का निवेश)

पीएम मोदी 'प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम-सेतु)' नाम की नई योजना लॉन्च करेंगे। इसके तहत देशभर के 1,000 सरकारी आईटीआई कॉलेज आधुनिक बनाए जाएंगे। इसमें 200 आईटीआई 'हब' होंगे और 800 आईटीआई उनसे जुड़े रहेंगे। हर हब में नई तकनीक, डिजिटल लर्निंग, इनोवेशन सेंटर, ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स और प्लेसमेंट सर्विस होगी। इसे वर्ल्ड बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक भी सहयोग देंगे। पहली कड़ी में बिहार के पटना और दरभंगा पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बिहार पर खास फोकस

- बिहार चुनाव से पहले युवाओं के लिए कई योजनाएं शुरू की जाएंगी।
- मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना- हर साल पांच लाख ग्रेजुएट युवाओं को दो साल तक 1000 मासिक भत्ता और मुफ्त स्किल ट्रेनिंग।
- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना (नया रूप)- छात्रों को चार लाख रुपये तक का बिना ब्याज शिक्षा ऋण मिलेगा। अब तक 3.92 लाख छात्रों ने 7880 करोड़ के लोन लिए हैं।
- बिहार युवा आयोग- 18 से 45 साल तक के युवाओं के लिए आयोग बनेगा, जिससे उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का सही उपयोग हो सके।
- जननायक कर्पूरी ठाकुर स्किल यूनिवर्सिटी- यह यूनिवर्सिटी युवाओं को उद्योग आधारित कोर्स और व्यावसायिक शिक्षा देगी।

स्किल लैब्स और स्कूलों में प्रशिक्षण

34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 400 नवोदय विद्यालय और 200 एकलव्य मॉडल स्कूलों में 1200 स्किल लैब्स खोली जाएंगी। इसमें बच्चों को 12 प्रमुख सेक्टर जैसे आईटी, ऑटोमोबाइल, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन में ट्रेनिंग मिलेगी। इसके लिए 1200 विशेष शिक्षक भी तैयार किए जाएंगे।

एनआईटी पटना का नया कैंपस (बिहटा)

पीएम मोदी एनआईटी पटना का बिहटा कैंपस देश को समर्पित करेंगे। इसमें 6500 छात्रों की क्षमता है। यहां 5जी प्रयोगशाला, इसरो के साथ बना स्पेस रिसर्च सेंटर और इनोवेशन सेंटर है, जिसने पहले ही नौ स्टार्टअप्स को सहयोग दिया है।

रक्षा मंत्री ने जैन समुदाय की मेहनत और योगदान को सराहा, कहा- भारत बनेगा दुनिया की फैक्ट्री

हैदराबाद। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार जैन समुदाय की प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत की कुल आबादी में जैन समुदाय की हिस्सेदारी सिर्फ 0.5इ है, लेकिन देश के कुल टैक्स संग्रह में उनका योगदान करीब 24इ है। वे हैदराबाद में 'जिटो कनेक्ट 2025' नामक तीन दिवसीय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समुदाय के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है।

इस दौरान उन्होंने कहा कि जैन समुदाय की सोच और दर्शन भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। उन्होंने बताया कि जैन समाज मेहनती और समृद्ध समाज के रूप में पूरी दुनिया में जाना जाता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जैन समुदाय का इतिहास भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का एक अनमोल उदाहरण है। उन्होंने इस समुदाय की भूमिका को भारत की सांस्कृतिक विरासत में बहुत महत्वपूर्ण बताया।

भारत बनेगा दुनिया की फैक्ट्री- राजनाथ सिंह

उन्होंने आगे कहा कि जैन समुदाय ने देश के फार्मा, विमानन और शिक्षा जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है और इन क्षेत्रों में नेतृत्व कर रहा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत आज खिलौनों से लेकर टैंकों तक लगभग हर चीज बनाने लगा है और वह दिन दूर नहीं जब भारत पूरी दुनिया का फैक्ट्री बन जाएगा। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने देश के विकास में जैन समुदाय की भूमिका को सराहा और कहा कि उनके प्रयासों से भारत की प्रगति और मजबूती को बल मिला है।

ऑनलाइन गेम्स पर बैन लगाने की तैयारी तेज, इस मंत्रालय के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रही प्राधिकरण

नई दिल्ली। भारत सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को सुरक्षित बनाने के लिए ऑनलाइन गेमिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया' बनाने का प्रस्ताव रखा है। यह नई संस्था ई-स्पोर्ट्स को बढ़ावा देगी और रियल मनी गेम पर पूरी तरह रोक लगाएगी। अगर कोई गेम रियल मनी गेम पाया गया, तो तुरंत बंद करने का आदेश दिया जाएगा। नियम तोड़ने पर तीन साल तक जेल या एक करोड़ रुपये तक जुर्माना या दोनों लग सकते हैं। अधिकारी डिजिटल और भौतिक जगह पर जांच और गिरफ्तारी कर सकेंगे। यदि कोई गेम रियल मनी गेम यानी पैसे वाला गेम पाया जाता है, तो अथॉरिटी तुरंत उसे बंद करने का आदेश देगी। नियम तोड़ने पर तीन साल तक की जेल या एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना या दोनों लग सकते हैं। अधिकृत अधिकारी डिजिटल या भौतिक जगह पर जाकर बिना वारंट जांच और गिरफ्तारी कर सकते हैं। यह कदम अधिकारियों को सख्ती से नियम लागू करने की शक्ति देता है। अधिकारियों को किसी भी कानूनी कार्रवाई से सुरक्षा दी गई है। सरकार ने जनता से 31 अक्तूबर तक इस ड्राफ्ट पर सुझाव मांगे हैं।

कौन करेगा अध्यक्षता?

भारतीय ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का अध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद का होगा या अतिरिक्त सचिव की अनुपस्थिति में संयुक्त सचिव होगा। प्राधिकरण देश में कानूनी रूप से खेले जा सकने वाले ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम को मंजूरी देगा और अधिनियम का उल्लंघन पाए जाने पर किसी भी ऑनलाइन सोशल गेम या ई-स्पोर्ट का पंजीकरण रद्द या निलंबित कर सकता है।

घटनास्थल से भागना मानसिकता दर्शाता है, विजय पर बुरी तरह भड़क गया हाई कोर्ट

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने करूर भगदड़ के सिलसिले में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) नेताओं को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि पार्टी प्रमुख विजय 'घटनास्थल से भाग गए' और पार्टी ने खेद भी नहीं जताया। अदालत ने इस तरह के आचरण की कड़ी निंदा की, खासकर जब महिलाओं और बच्चों की मौत हुई हो। अदालत ने कहा कि यह अभिनेता-राजनेता की 'मानसिक स्थिति' को दर्शाता है। न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार ने कहा कि भगदड़, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई, को ठीक से नहीं संभाला गया था और कहा कि राज्य विजय के प्रति नरमी बरत रहा है।

न्यायमूर्ति सेंथिलकुमार ने आयोजकों और पुलिस, दोनों से ज़िम्मेदारी पर सवाल उठाते हुए पूछा कि एक कार्यक्रम आयोजक होने के नाते, क्या आपकी कोई ज़िम्मेदारी नहीं है?' अदालत ने विजय के प्रति राज्य की नरमी पर नाराज़गी जताई और कहा कि घटना के समय वह मौके से 'गायब' हो गया था।

पीठ ने घटना की जाँच के लिए वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी असरा गर्ग की अध्यक्षता में एक विशेष जाँच दल (एसआईटी) के गठन का आदेश दिया, जबकि टीवीके नेता बुस्सी आनंद और सीटीआर निर्मल कुमार द्वारा दायर अग्रिम ज़मानत याचिकाओं पर आदेश सुरक्षित रखा।अग्रिम ज़मानत से संबंधित सुनवाई में राज्य ने तर्क दिया कि भगदड़ पार्टी के अपने कार्यकर्ताओं के आचरण के कारण हुई थी और कहा कि नेताओं ने गैर-ज़िम्मेदाराना व्यवहार किया था। पीठ ने कहा कि एक बड़ी मानव निर्मित आपदा के कारण 41 निर्दोष लोगों की मौत हुई है। साथ ही, पीठ ने कहा कि अदालत अपनी आँखें बंद नहीं कर सकती,मूकदर्शक नहीं बन सकती या अपनी ज़िम्मेदारियों से बच नहीं सकती।

पीठ ने कहा कि पूरी दुनिया ने इस घटना के क्रम और परिणामों को देखा है। वीडियो फुटेज का हवाला देते हुए, पीठ ने कहा दोपहिया वाहन टीवीके बस के नीचे फँस गए, फिर भी चालक ने यह सब देखने के बावजूद बस नहीं रोकी। क्या यह हिट एंड रन का मामला नहीं है?उन्होंने पुलिस से आगे सवाल करते हुए कहा, 'हिट एंड रन का मामला क्यों दर्ज नहीं किया गया? पुलिस ने इसका संज्ञान क्यों नहीं लिया?

'विजय अहंकारी और पैसों के भूखे', सीएम स्टालिन का आरोप- करूर भगदड़ पर राजनीति कर रही भाजपा

चेन्नई। करूर भगदड़ मामले पर आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। अब डीएमके पार्टी ने टीवीके नेता और फिल्म अभिनेता विजय पर तीखा हमला बोला है। डीएमके ने अपने मुखपत्र मुरासोली में प्रकाशित एक लेख में विजय पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'विजय ने जो वीडियो जारी की है, वह उनके अहंकार, पैसे-प्रचार की भूख और सत्ता पाने की चाह को दिखाती है।'

डीएमके का विजय पर तीखा तंज

दरअसल विजय ने एक वीडियो जारी कर कहा कि सरकार को जो भी कार्रवाई करनी है, उनके खिलाफ करे, लेकिन उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को छोड़ दे। इसी पर निशाना साधते हुए डीएमके ने कहा कि 'विजय ने सरकार के दबाव में ही मृतकों के परिजनों को 20 लाख रुपये का मुआवजा देने का एलान किया है। क्योंकि सरकार ने 10 लाख रुपये देने की बात कही तो उन्होंने 20 लाख देने का एलान कर दिया, लेकिन अगर सरकार एक लाख रुपये देती तो विजय दो लाख देने की बात करते।'

सीएम स्टालिन का भाजपा पर हमला

सीएम स्टालिन ने करूर भगदड़ पर भाजपा द्वारा प्रतिनिधिमंडल गठित करने पर तंज कसा है। सीएम ने भाजपा पर करूर भगदड़ पर राजनीति करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा को लोगों की चिंताओं के बजाय आगामी चुनाव की चिंता है। रामनाथपुरम जिले में विकास कार्यों का उद्घाटन करते हुए सीएम स्टालिन ने कहा कि 'जब तमिलनाडु में तीन बड़ी आपदाएं आईं, जिनसे हजारों लोग प्रभावित हुए, तब केंद्र सरकार की तरफ से किसी ने राज्य का दौरा नहीं किया और न ही कोई फंड जारी किया। अब करूर मामले पर भाजपा ने तुरंत अपना प्रतिनिधिमंडल भेज दिया है, जबकि मणिपुर दंगों, गुजरात की घटना और कुंभ मेले में हुई मौतों की जांच के लिए उन्होंने कोई प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजा। भाजपा को तमिलनाडु के लोगों की चिंता नहीं है, बस उन्हें अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से मतलब है।'

विपक्षी एआईएडीएमके को भी आड़े हाथों लिया

सीएम ने एआईएडीएमके पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा राज्य के हितों को नजरअंदाज कर रही है, लेकिन एआईएडीएमके उनका समर्थन कर रही है। मजबूती से खड़े होने के बजाय एआईएडीएमके भाजपा की गुलामी कर रही है।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई मॉरीशस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई ने बृहस्पतिवार को मॉरीशस के राष्ट्रपति धर्मबीर गोखूल से मुलाकात की और बहुआयामी भारत-मॉरीशस साझेदारी पर चर्चा की। इस दौरान दोनों देशों की न्यायिक संस्थाओं के बीच मजबूत शैक्षणिक साझेदारी और संबंधों पर भी चर्चा हुई। उच्चतम न्यायालय ने एक बयान में कहा कि प्रधान न्यायाधीश गवई मॉरीशस की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। सीजेआई गवई ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम से भी मुलाकात की। इसमें कहा गया है कि सीजेआई गवई और उनके परिवार ने मॉरीशस में महात्मा गांधी संस्थान में गांधी जयंती समारोह में भाग लिया और राष्ट्रपिता को उनकी जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की। बयान में कहा गया है कि सीजेआई मॉरीशस की प्रधान न्यायाधीश रेहाना बीबी मुंगली-गुलबुल के निमंत्रण पर मॉरीशस की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

सौरभ भारद्वाज ने बोला हमला: सरकारी अस्पतालों को बर्बाद कर रही भाजपा, दवाइयों-सर्जिकल उपकरणों की है भारी कमी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में निजी स्कूलों की फीस बढ़ाने के बाद अब भाजपा सरकार सरकारी अस्पतालों की सुविधाओं में कटौती कर निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने की तैयारी कर रही है। प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार ने आठ माह में ही सरकारी अस्पतालों की हालत बदतर कर दी है। अस्पतालों में दवाइयों, दस्तानों और सर्जिकल उपकरणों की भारी कमी है जिससे मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है।

भाजपा सरकार जानबूझकर सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को कमजोर कर रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने दवाइयों की खरीद पर रोक लगा रखी है और अस्पताल अधीक्षकों को स्थानीय स्तर पर खरीद की अनुमति नहीं दी जा रही। परिणामस्वरूप मरीजों को अपनी जेब से दवा और जरूरी सामान खरीदना पड़ रहा है। भाजपा सरकार ने दिल्ली आरोग्य कोष का 80 करोड़ रुपये का सालाना बजट भी शून्य कर दिया है जिससे फरिश्ते योजना सहित कई सुविधाएं बंद हो गई हैं।

वहीं, मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा सरकार के आठ माह के कार्यकाली में हालात खराब हो गए हैं। लोग स्ट्रेचर और दस्तानों तक के लिए तरस रहे हैं। केजरीवाल के कार्यकाल में सभी दवाएं मुफ्त मिलती थीं और अगर सरकारी अस्पताल में कोई जांच या ऑपरेशन नहीं हो पाता तो मरीजों को निजी अस्पताल भेजकर मुफ्त इलाज कराया जाता था।

लक्ष्मण जिस तरह राम का सम्मान करते थे, वैसे ही तेजस्वी करें : तेज प्रताप

पटना। बिहार के पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटेतेज प्रताप यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव को उनके प्रति वही सम्मान दिखाना चाहिए, जैसा भगवान राम को लक्ष्मण से मिला था।

राजद से निष्कासित हसनपुर के विधायक तेज प्रताप से जब उस आरोप पर सवाल पूछा गया कि राजद में रहते हुए वे अपने करीबी समर्थकों को बागी उम्मीदवार के रूप में खड़ा कराते थे। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए तेजप्रताप ने कहा, "छोटे भाई होने के नाते उन्हें मर्यादा का पालन करना चाहिए, जैसे लक्ष्मण ने राम के मामले में किया था। वह ऐसे लोगों के बहकावे में आ रहे हैं, जो जयचंद जैसे हैं।"

राजद में रहते हुए तेज प्रताप का टकराव तेजस्वी के करीबी सहयोगियों से अक्सर होता रहा है, जिनमें राज्यसभा सदस्य संजय यादव भी शामिल हैं। तेज प्रताप अक्सर उनकीजयचंद से तुलना करते रहे हैं–वही मध्यकालीन हिंदू शासक, जिसके बारे में कहा जाता है कि उसने प्रतिद्वंद्वी पृथ्वीराज चौहान से बदला लेने के लिए अफगान आक्रमणकारी मोहम्मद गौरी की मदद की थी।

तेज प्रताप ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में महुआ सीट से चुनाव लड़ेंगे। यह वही सीट है, जो तेजस्वी यादव के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र से सटी हुई है और जहां से उन्होंने वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में पदार्पण किया था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, "आरएसएस की स्वतंत्रता आंदोलन में कोई भूमिका नहीं थी।

दिल्ली की अदालत ने चैतन्यानंद सरस्वती को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने स्वयंभू बाबा चैतन्यानंद सरस्वती को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दिल्ली पुलिस ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत अवधि पूरी होने के बाद पटियाला हाउस अदालत में न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिमेष कुमार के समक्ष पेश किया।

यहां एक निजी प्रबंधन संस्थान में 17 छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी चैतन्यानंद के लिए पुलिस ने न्यायिक हिरासत की मांग की थी। उनके वकील ने जब्ती मेमो और केस डायरी दिये जाने की मांग करते हुए एक आवेदन प्रस्तुत किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अदालत ने पुलिस से अन्य आवेदनों पर जवाब मांगा, जिनमें भिक्षुओं के वस्त्र पहनने, दवाइयां और 'संन्यासी' भोजन उपलब्ध कराने की मांग की गई थी। चैतन्यानंद (62) को 28 सितंबर को आगरा से गिरफ्तार किया गया था।

इससे पहले, पुलिस ने सरस्वती से जुड़े कई बैंक खातों और सावधि जमाओं में जमा आठ करोड़ रुपये जब्त कर लिए थे।

प्राथमिकी के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित प्रबंधन संस्थान का पूर्व अध्यक्ष सरस्वती कथित तौर पर छात्राओं को देर रात अपने क्वार्टर में आने के लिए मजबूर करता था और उन्हें अनुचित समय पर अनुचित संदेश भेजता था। वह कथित तौर पर अपने फोन में लगे सीसीटीवी मॉनिटरिंग ऐप के जरिए छात्राओं की गतिविधियों पर नजर रखता था। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने कथित तौर पर विभिन्न नामों और विवरणों का इस्तेमाल कर कई बैंक खाते संचालित किए और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद 50 लाख रुपये से अधिक की राशि निकाल ली।

उन्होंने कथित तौर पर खाता खोलने के समय अलग-अलग विवरण वाले दस्तावेज प्रस्तुत किए थे। पुलिस को उसके पास से फर्जी विजिटिंग कार्ड भी मिले, जिन पर उसे संयुक्त राष्ट्र और ब्रिक्स से जुड़ा हुआ दिखाया गया था।

स्पीयर कॉर्प्स के जांबाज जवानों ने माउंट गोरिचेन पर फहराया तिरंगा, साहस और धैर्य का अद्भुत प्रदर्शन

दीमापुर। भारतीय सेना की स्पीयर कॉर्प्स ने साहस, धैर्य और सामूहिकता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए माउंट गोरिचेन (21,286 फीट / 6,488 मीटर) पर विजय हासिल की और पहाड़ की चोटी पर तिरंगा फहराया। यह अभियान पूर्वी हिमालय की दुर्गम चोटियों पर सैनिकों के अनुशासन, जज्बे और रोमांचकारी भावना का प्रतीक बना।

इस अभियान की शुरुआत 20 अगस्त को लिकाबाली सैन्य स्टेशन से स्पीयरहेड डिविजन के जीओसी द्वारा झंडी दिखाकर की गई थी। इससे पहले 13 अगस्त को अग्रिम दल ने रेकी और समन्वय के लिए प्रस्थान किया था। इसके बाद दल मिसामारी, टेंगा और सेंग (9500 फीट) से होते हुए ऊंचाई पर व्यवस्थित प्रशिक्षण और अनुकूलन प्रक्रिया से गुजरा।

दीमापुर में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि 1 सितंबर को 12,200 फीट की ऊंचाई वाले मागो रोड हेड से वास्तविक चढ़ाई शुरू हुई। अभियान दल मेराथांग बेस कैंप, चोकर्सुम, कैंप-ध और समिट कैंप से आगे बढ़ता गया। बर्फीली ढलानों, तेज हवाओं और ऑक्सीजन की कमी का सामना करते हुए सैनिकों ने रस्सियां फिक्स कीं, बोझ उठाकर पहुंचाया और मध्यवर्ती कैंप स्थापित किए।

19 सितंबर को स्पीयर कॉर्प्स के जांबाज जवानों ने सफलता पूर्वक माउंट गोरिचेन की चोटी पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और अटूट साहस व गर्व का प्रतीक पेश किया। वापसी का सफर भी निर्धारित मार्ग से पूरा करते हुए अभियान दल 3 अक्तूबर को दीमापुर पहुंचा, जहां स्पीयर कॉर्प्स के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल एएस पेंढारकर (एवीएसएम, वाईएसएम) ने औपचारिक रूप से अभियान दल का स्वागत किया।

इस अभियान की सफलता ने भारतीय सेना की रोमांचक परंपरा को और मजबूत किया है और यह साबित किया है कि सैनिक किसी भी कठिन भूभाग व ऊंचाई पर शारीरिक क्षमता, मानसिक दृढ़ता और ऑपरेशनल उत्कृष्टता का अद्भुत परिचय देने में सक्षम हैं।

रेस्तरां-थिएटर्स को 24 घंटे खोलने की मंजूरी, शराब बेचने वाले प्रतिष्ठान सूची से बाहर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने राज्यभर में दुकानों, होटलों, रेस्तरां, थिएटर और मनोरंजन स्थलों को 24 घंटे खुले रखने की अनुमति दे दी है। सरकार का दावा है कि इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और व्यवसाय को नई रफ्तार मिलेगी। हालांकि, शराब बेचने और परोसने वाले प्रतिष्ठानों को इस सूची से बाहर रखा गया है।

सरकार द्वारा जारी सरकारी आदेश (जीआर) के अनुसार, रेस्तरां , भोजनालय, थिएटर, पब्लिक एंटरटेनमेंट सेंटर और होटल अब दिन-रात खुले रह सकेंगे। नियम के तहत, प्रत्येक कर्मचारी को सप्ताह में 24 घंटे का विश्राम देना अनिवार्य होगा। हालांकि, ऐसे प्रतिष्ठानों पर यह छूट नहीं मिलेगी जहां शराब की बिक्री या आपूर्ति होती है।

शराब से जुड़े प्रतिष्ठान रहेंगे बंद

जीआर में स्पष्ट किया गया है कि वाइन शॉप, बीयर बार, डांस बार, हुक्का पार्लर, डिस्कोथेक और परमिट

रूम्स को 24 घंटे संचालन की अनुमति नहीं होगी। इन पर पहले से लागू समयबद्ध नियम जारी रहेंगे। इससे पहले 2017 और 2020 में भी इन पर समयसीमा से जुड़े नोटिफिकेशन जारी किए गए थे।

आदित्य ठाकरे का भाजपा पर हमला

शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने इस फैसले पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि 'मुंबई 24/7' की नीति पहले से लागू थी और तब भाजपा ने इसका विरोध किया था। ठाकरे ने सवाल उठाया कि भाजपा अब उसी नीति को लागू कर रही है, जिस पर पहले 'संस्कृति और सुरक्षा' के नाम पर हंगामा किया गया था।

उद्योग जगत ने फैसले का स्वागत किया

होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन (पश्चिम भारत) ने इस कदम का स्वागत किया है। संगठन का कहना है कि इससे व्यवसाय को लचीलापन मिलेगा, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। संगठन के अध्यक्ष जिमी शॉ ने कहा कि यह सुधार मुंबई को वैश्विक शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को मजबूती देगा।

अर्थव्यवस्था और पर्यटन को बढ़ावा

उद्योग जगत के प्रवक्ताओं का मानना है कि इस फैसले से रोजगार बढ़ेगा और ग्राहकों को सुविधा मिलेगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर शराब परोसने वाले प्रतिष्ठानों को भी इसमें शामिल किया जाता, तो इससे उद्योग को और मजबूती मिलती। फिर भी इसे महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था और पर्यटन को नई ऊंचाई पर ले जाने वाला निर्णय बताया गया है।

यात्रियों के आभूषण चुराने के आरोप में महिला गिरफ्तार - 3.5 लाख रुपये के आभूषण जब्त

मुंबई।रेलवे पुलिस ने यात्रियों के आभूषण, विशेष रूप से महिलाओं के मंगलसूत्र चुराने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 2.72 लाख रुपये के आभूषण जब्त किए गए हैं। इस बीच, पुलिस ने बताया कि उसके पिछले 6 अपराधों का भी खुलासा हुआ है। महिला सोने का मंगलसूत्र छीनकर भाग रही थी। ठाणे रेलवे पुलिस ठाणे में दर्ज मामले में शिकायतकर्ता, अनीता जिग्नेश सोलंकी, 23 सितंबर की शाम को ठाणे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 3 पर डाउन स्लो लोकल के पहले जनरल डिब्बे में चढ़ रही थी, तब उसके गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया गया था। आरोपी का नाम कविता सतीश लोखंडे है और जब वह प्लेटफॉर्म से भाग रही थी, तो उसे ड्यूटी पर तैनात पुलिस और सादे कपड़ों में महिला पुलिस ने पीछा किया और पकड़ लिया। पुलिस के पूछताछ में कविता ने बताया कि उसने ठाणे रेलवे पुलिस स्टेशन में और भी

कई अपराध किए हैं, और थाने के रिकॉर्ड की जाँच करके उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उसके पिछले 6 अपराधों का खुलासा हुआ है। इस बीच, पुलिस ने इस महिला के पास से 1 लाख 5 हज़ार का मंगलसूत्र, 40 हज़ार का पेंडेंट, 10 हज़ार के सोने के मोती, 3 हज़ार 600 रुपये का एक सोने का हार, 3 हज़ार 600 रुपये का एक और हार और 50 हज़ार का एक तीसरा हार बरामद किया है। यह कार्रवाई रेलवे पुलिस आयुक्त राकेश कलासागर, डीसीपी प्रज्ञा जेडगे, सहायक पुलिस आयुक्त नंदराज पाटिल, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अर्चना दुसाने के मार्गदर्शन में किया गया है।

पिकनिक के दौरान अरब सागर में एक ही परिवार के 3 लोग डूबे, 4 अन्य लापता

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग ज़िले में शुक्रवार को एक ही परिवार के तीन सदस्य अरब सागर में डूब गए, जबकि चार अन्य लापता हो गए। हादसे के समय पीड़ित पिकनिक मनाने गए थे। अधिकारियों ने खोज और बचाव अभियान शुरू कर दिया है, जबकि चार शव समुद्र से निकाले जा चुके हैं। यह घटना मुंबई से 490 किलोमीटर से अधिक दूर स्थित शिरोडा-वेलागर समुद्र तट पर शाम लगभग 4 बजे हुई।

पुलिस ने बताया कि एक परिवार के आठ सदस्य पिकनिक पर थे। उनमें से दो कुडाल (सिंधुदुर्ग) में रुके थे, जबकि छह अन्य बेलगाम (कर्नाटक के बेलगावी) से आए थे। वे सभी आठ तैरने के लिए समुद्र में उतरे। हालाँकि, कुछ ही देर बाद, पानी की गहराई का अंदाज़ा न लगा पाने के कारण वे डूबने लगे। सूचना मिलने के बाद, पुलिस और स्थानीय आपदा प्रबंधन टीमों ने बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारी ने बताया कि तलाशी के दौरान तीन लोगों के शव बरामद हुए, जबकि चार अन्य अभी भी लापता हैं। बाकी चार लोगों की तलाश देर शाम तक जारी रही।

पश्चिम रेलवे द्वारा स्वच्छता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा 2025 अभियान की शुरुआत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेल स्टेशनों, कार्यालयों, कारखानों और ट्रेनों में सफाई, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए 1 से 15 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2025 मना रही है। इसी दिशा में, पश्चिम रेलवे ने स्वच्छता पखवाड़ा अभियान 2025 शुरू किया है, जिसके अंतर्गत कर्मचारियों, यात्रियों और स्थानीय समुदायों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए नवीन गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। इस अभियान का उद्घाटन पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में किया, जहाँ उन्होंने स्वच्छता शपथ दिलाई। महाप्रबंधक और अन्य प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी स्वच्छता शपथ बोर्ड पर हस्ताक्षर किए।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यालय और मंडल कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों ने पहले दिन स्वच्छता शपथ ली। जागरूकता रैलियाँ, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, स्वयंसेवकों द्वारा संचालित श्रमदान और वृक्षारोपण अभियान जैसी गतिविधियाँ उत्साहपूर्वक आयोजित की गईं।

दूसरे दिन, महात्मा गांधी जयंती और स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर, स्टेशन परिसरों, रेलवे कॉलोनियों और ट्रैक क्षेत्रों में सफाई और जागरूकता गतिविधियाँ जारी रहीं। गैर-सरकारी संगठनों और सामुदायिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी से यात्रियों और स्थानीय समुदायों को स्वच्छता शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

पश्चिम रेलवे ने पखवाड़े से पहले स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस-2025) अभियान भी चलाया, जिसमें सफाई अभियान, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य और सुरक्षा शिविर, मैराथन, साइक्लोथॉन, युवा जुड़ाव कार्यक्रम, वेस्ट-टू-आर्ट परियोजनाएं, शून्य-अपशिष्ट समारोह और घर-घर जागरूकता अभियान शामिल थे।

ये प्रयास स्वच्छ भारत मिशन के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हैं तथा इसके नेटवर्क में स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ समुदायों का निर्माण करते हैं।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने गांधी जयंती पर स्वच्छ भारत दिवस मनाया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत सोलापुर, लातूर और कलबुरगि में कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने गांधी जयंती के अवसर पर चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत स्वच्छ भारत दिवस मनाया। इस अवसर पर गांधीजी के स्वच्छ भारत के दृष्टिकोण के मूल्यों को दर्शाते हुए स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) डॉ. सुजीत मिश्रा ने डीआरएम कार्यालय से सोलापुर रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार तक एक वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसमें लगभग 150 अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर, डीआरएम ने स्वच्छता और सफाई के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि के लिए स्वच्छता शपथ दिलाई। डीआरएम ने सीनियर डीएमई, सीनियर डीसीएम, सीनियर डीईएन (को), सीनियर डीएफएम, सीनियर डीईएन (सी), सीएमएस, एडीएमई, एएससी और स्टेशन प्रबंधक सहित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोलापुर स्थित स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में गांधी जी को पुष्पांजलि अर्पित की। यात्रियों के साथ अमृत संवाद के तहत, सोलापुर स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर उद्यान एक्सप्रेस और अन्य नियमित ट्रेनों के यात्रियों के समक्ष एक विचारोत्तेजक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। सांस्कृतिक टीम द्वारा मंचित इस नाटक ने स्टेशनों और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। इस प्रदर्शन को यात्रियों और उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। स्वच्छता के संदेश के प्रसार में उनके प्रभावशाली योगदान के लिए सांस्कृतिक टीम की सराहना की गई। दिन के कार्यक्रमों का समापन करते हुए, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (सीनियर डीएमई) श्री राम लाल प्यासे ने स्वच्छता रैली में सक्रिय भागीदारी के लिए सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया और स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान 2025 के समापन की आधिकारिक घोषणा की। उन्होंने महात्मा गांधी जयंती को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में मनाने के महत्व पर बल दिया। कलबुरगि, लातूर, धाराशिव, कुर्डुवाडी, वाडी, पंढरपुर आदि सभी डिपो और स्टेशनों पर इसी तरह की स्वच्छता रैलियाँ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

रविवार को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

मुंबई(संवाददाता) । रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा शनिवार/रविवार, 04/05 अक्टूबर, 2025 की मध्यरात्रि को माहिम एवं सांताक्रुज़ स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर 01.00 बजे से 04.30 बजे तक 3.5 घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक के दौरान डाउन धीमी लाइन की सभी ट्रेनें मुंबई सेंट्रल एवं सांताक्रुज़ स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइनों पर चलायी जायेंगी। ये ट्रेनें प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण महालक्ष्मी, प्रभादेवी एवं माटुंगा रोड स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी तथा प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई के कारण इन ट्रेनों को लोअर परेल, माहिम एवं खार रोड स्टेशनों पर डबल हॉल्ट दिया जायेगा। इसी प्रकार, अप धीमी लाइन की ट्रेनें सांताक्रुज़ से मुंबई सेंट्रल/चर्चगेट के बीच अप फास्ट लाइन पर चलायी जायेंगी, जो खार रोड स्टेशन पर डबल हॉल्ट लेंगी तथा प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण महिम, माटुंगा रोड, प्रभादेवी, लोअर परेल एवं महालक्ष्मी स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी। ब्लॉक के कारण कुछ अप एवं डाउन उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी।

इस ब्लॉक की विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त ब्लॉक व्यवस्था को ध्यान में रखें।

अतः रविवार, 05 अक्टूबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल के कलबुरगि और शहाबाद स्टेशनों पर बीदर-बेंगलुरु छावनी विशेष ट्रेनों का ठहराव होगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेल बीदर और बेंगलुरु छावनी के बीच विशेष रेलगाड़ियाँ चलाएगा। ये विशेष ट्रेनें मध्य रेल के सोलापुर मंडल के दो स्टेशनों, कलबुरगि और शहाबाद पर रुकेंगी।

बीदर-बेंगलुरु छावनी विशेष ट्रेनें

07063 विशेष ट्रेन 04.10.2025 को 14:40 बजे बीदर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:00 बजे बेंगलुरु छावनी पहुँचेगी।

07064 विशेष ट्रेन 05.10.2025 को 22:30 बजे बेंगलुरु छावनी से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:40 बजे बीदर पहुँचेगी।

ठहरावः हुमनाबाद, कमलापुर, कलबुरगि, शहाबाद, यादगिर, रायचूर, मंत्रालयम रोड, अदोनी, गुंतकल, अनंतपुर, धर्मवरम और येलहंका।

संरचनाः 1 एसी-II टियर, 2 एसी-III टियर, 17 स्लीपर क्लास, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 लगेज कम ब्रेक वैन। (24 कोच)

आरक्षण और बुकिंगः विशेष ट्रेन संख्या 07063/07064 के लिए विशेष शुल्क पर आरक्षण सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर उपलब्ध है।

अनारक्षित डिब्बों की बुकिंग स्टेशनों पर बुकिंग काउंटरों और ऊऊए ऐप के माध्यम से भी की जा सकती है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे असुविधा से बचने के लिए वैध टिकट के साथ यात्रा करें। इन विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

पश्चिम रेलवे

पी-वे कार्यों का निष्पादन

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) छ, पश्चिम रेलवे, प्रतापनगर, वडोदरा-390004, ई-निविदा सूचना संख्याः DYCEC-II-BRC-ANND-TAS-11R, दिनांकः 27.09.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** ओ.डी. स्टेशन पर लूप लाइन संख्या 4 के लिए बड़ी लाइन पटरी बिछाने और जोड़ने, डाकोर स्टेशन पर लूप लाइन संख्या 5 और आणंद स्टेशन पर फेज-II यार्ड रीमॉडलिंग कार्यों सहित पी-वे कार्यों का निष्पादन, जिसमें यार्ड में पॉइंट और क्रॉसिंग, गिट्टी की आपूर्ति और फैलाव, पी-वे सामग्री का परिवहन, पटरी की टैंपिंग और आणंद-गोधरा दोहरीकरण परियोजना (78.80 किमी) से संबंधित अन्य विविध कार्य शामिल हैं। **कार्य की अनुमानित लागतः** 2,19,28,196.86। **बयाना राशिः** 2,59,700/-। **बोली खोलने की तिथिः** 03.10.2025 से 17.10.2025 को 15:00 बजे तक। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। मैन्युअल प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। 0665

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

नवी मुंबई नगर निगम विशाखा समिति द्वारा जागरूकता शिविर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम विशाखा समिति द्वारा नवी मुंबई नगर निगम ज़ोन 1 के अंतर्गत कार्यरत नवी मुंबई नगर निगम के महिला एवं पुरुष कर्मचारियों के लिए एक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और यौन उत्पीड़न के विरुद्ध उपायों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित यह शिविर सफल रहा।

विशाखा समिति का यह जागरूकता शिविर शारदीय नवरात्रि उत्सव और सशक्त महिला स्वस्थ परिवार की पहल के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर खेलकूद एवं सांस्कृतिक विभाग की उपायुक्त एवं एनएमयूएमपी विशाखा समिति की अध्यक्ष श्री अभिलाषा पाटिल, समाज कल्याण विभाग की उपायुक्त श्री नयना सासने, आपदा प्रबंधन विभाग की उपायुक्त श्री ललिता बाबर, नगर सचिव श्री चित्रा बाविस्कर, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी

डॉ. रत्नप्रभा चव्हाण, कार्यपालक अभियंता श्री शुभांगी डोडे के साथ-साथ अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़ और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने परिचयात्मक भाषण में, मनपा विशाखा समिति की अध्यक्ष एवं उपायुक्त श्री अभिलाषा पाटिल ने कहा कि पिछले वर्ष विशाखा समिति के माध्यम से विभिन्न गतिविधियाँ क्रियान्वित की गई हैं। नवी मुंबई मनपा में कार्यालय का वातावरण बहुत ही सौहार्दपूर्ण और अच्छा है और हमें कोई विशेष शिकायत प्राप्त नहीं होती है। उन्होंने कहा कि यह शिविर इसलिए आयोजित किया गया है ताकि सभी महिला कर्मचारियों को विशाखा समिति और यौन उत्पीड़न के मामलों की वास्तविक जानकारी हो। इस अवसर पर, उन्होंने मनपा मुख्य विशाखा समिति और उसके अंतर्गत आने वाले तीनों विभागों, अर्थात् स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और परिवहन विभाग, की विशाखा समितियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. रत्नप्रभा चव्हाण ने कहा कि महिलाएँ सदन में मंत्री होती हैं और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में विशाखा समिति की अध्यक्ष के रूप में अपने अनुभव साझा किए। मनपा सचिव श्री चित्रा बाविस्कर ने विचार व्यक्त किया कि कार्यालय में कार्य करते समय, पुरुष और महिला में कोई भेदभाव किए बिना सभी को एक कर्मचारी के रूप में समान माना जाना चाहिए और महिलाओं के रूप में विशेषाधिकारों का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुए, उपायुक्त नयना सासने ने विशाखा समिति की कार्यप्रणाली और गोपनीयता के बारे में अपने अनुभव साझा किए। उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़ ने कहा कि विशाखा समिति को काम करते समय पूरी लगन से काम करना चाहिए और इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी निर्दोष कर्मचारी के साथ अन्याय न हो।

एडवोकेट हेमांगी पाटिल ने एक लघु वीडियो दिखाकर, यौन उत्पीड़न क्या है, विशाखा समिति कैसे काम करती है, इस समिति में कौन शिकायत कर सकता है, आदि सभी जानकारियाँ बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत कीं। श्रीमती स्वप्निला यादव ने विशाखा समिति में शिकायत कैसे दर्ज करें, उसमें क्या-क्या जानकारी शामिल होनी चाहिए, इन सबकी जानकारी दी। इस अवसर पर, एनएमयू स्तर पर मुख्य विशाखा समिति के सभी सदस्यों के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग से विशाखा समिति के सदस्य उपस्थित थे। आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने इस कार्यक्रम के लिए मार्गदर्शन दिया। इस तरह की गतिविधियों के माध्यम से महिला अधिकारियों और कर्मचारियों को विशाखा समिति के कार्यों की जानकारी दी जाएगी और एक आश्वस्त वातावरण का निर्माण होगा।

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

उप मुख्य अभियंता (पुल-लाइन)-दादर, पश्चिम रेलवे, ई-निविदा संख्याः DYCE-BR-DDR-2025-16, 30.09.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** 'मुंबई मंडल के एसएसई (बी) नंदुरबार के अधिकार क्षेत्र में पश्चिम रेलवे के उधना जलगाँव-खंड के बीच पुल संख्या 374 अप ओडब्ल्यूजी गर्डरों के एक स्पैन की इंस्ट्रूमेंटेशन स्थिति का आकलन और निगरानी'। **कार्य की अनुमानित लागतः** 57,74,371.30। **बयाना राशिः** 1,15,500/-। **जमा करने की तिथि और समयः** 29.10.2025, 15:00 बजे तक। **खोलने की तिथि और समयः** 29.10.2025 को 15:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0676

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

शुद्धिपत्र

खुली निविदा संख्या: KWV-RSP-FOLDABLE-BULK-1, दिनांक: 11.09.2025. कार्य का विवरण: 12 महीने की अवधि के लिए कुर्दुवाड़ी कार्यशाला के परिसर के भीतर बीआरएन / बीआरएनए / बीआरएनएएचएस / बीआरएन 22.9 टी वैगनों में स्थिर बल्कहेड से फोल्डेबल बल्कहेड में रूपांतरण। **अनुमानित लागत:** ₹ 72,11,137.57. **निविदा प्रपत्र का शुल्क:** कुछ नहीं। **ईएमडी:** ₹ 1,44,200/-. **समापन अवधि:** 12 महीने। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं अवधि दि.07.10.2025 को 13:00 बजे तक है। ई - निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की आधिकारिक वेबसाइट : **http://www.ireps.gov.in** AK-514

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मध्य रेल

आईसीएफ और एलएचबी कोचों के लिए एलयूएफ शॉप गैर-प्रमुख गतिविधियाँ

मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र. - आरआर / पीआर /डब्ल्यूसी/2092/2025-26/62, दिनांक 29.09.2025. कार्य का विवरण:** आईसीएफ और एलएचबी कोचों के लिए एलयूएफ शॉप गैर-प्रमुख गतिविधियाँ। **मात्रा:** रेट शेड्यूल के अनुसार। **निविदा समापन / खोलने और समय की तिथि:** 24.10.2025, 12:00 बजे तक। निविदा विवरण और निविदा दस्तावेज **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदाएं वेबसाइट के माध्यम से केवल ई-टेंडरिंग प्रारूप में ही स्वीकार की जाएंगी। AK-504

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

मराठी भाषा सदैव अभिजात वर्ग में रहेगी - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

शास्त्रीय मराठी भाषा सम्मान दिवस और शास्त्रीय मराठी भाषा सप्ताह का उद्घाटन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। भाषा संस्कृति को जीवित रखने का माध्यम है। देश की प्रत्येक भाषा ने एक सांस्कृतिक विरासत दी है। चूँकि इस सांस्कृतिक उत्थान में भाषा का महत्व है, इसलिए सभी को अपनी मातृभाषा और अन्य भाषाओं को जीवित रखने का प्रयास करना चाहिए। हमारी मराठी भाषा पहले भी अभिजात वर्ग थी, आज भी अभिजात वर्ग है और भविष्य में भी अभिजात वर्ग रहेगी, ऐसा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

अभिजात मराठी भाषा सम्मान दिवस और अभिजात मराठी भाषा सप्ताह का उद्घाटन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रभादेवी स्थित रवींद्र नाट्य मंदिर में किया। वे इस अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट. राहुल नार्वेकर, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, उद्योग और मराठी भाषा मंत्री डॉ. उदय सामंत, विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोरे, विधान परिषद सदस्य मनीषा कायंदे, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह, महाराष्ट्र राज्य विश्वकोश निर्माण मंडल के अध्यक्ष रवींद्र शोभने, महाराष्ट्र राज्य साहित्य और संस्कृति मंडल के अध्यक्ष सदानंद मोरे, विदर्भ साहित्य संघ के प्रदीप दाते, अभिनेता और निर्माता महेश मांजरेकर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मराठी का सम्मान हम सबका सम्मान है। यह उन कवियों का सम्मान है जिन्होंने गाँव-घर से ओव गाए। यह रामप्रहरी में आए वासुदेव का सम्मान है। यह मंदिर से गूंजने वाली आरती, भजन और कीर्तन का सम्मान है। यह संतों की परंपरा का, कवियों की कविता का सम्मान है। संत ज्ञानेश्वर की आध्यात्मिक दीपिका से लेकर भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के दार्शनिक विचारों तक, यह ऐसे सभी विचारकों का सम्मान है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि देश के कुल पुस्तकालयों में से 25 प्रतिशत महाराष्ट्र में हैं। मराठी लोगों द्वारा साहित्य की मधुरता और विभिन्न वैचारिक परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के प्रयासों से मराठी भाषा समृद्ध हुई है। यह गर्व की बात है कि सबसे बड़ा शब्दकोश मराठी भाषा में है। साथ ही, हर साल 200 से अधिक साहित्यिक सम्मेलन मराठी में आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने इस बात पर भी गर्व व्यक्त किया कि मराठी एकमात्र ऐसी भाषा है जो सभी प्रकार के विचारों को व्यक्त करती है और विभिन्न मंच प्रदान करती है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि डिजिटल युग में भी करोड़ों रुपये की साहित्य पुस्तकें बिक रही हैं। साहित्य के साथ-साथ आज देश में विभिन्न भाषाओं में नाटक भी खेले जाते हैं। श्री फडणवीस ने यह भी कहा कि मराठी प्रशंसकों और रंगमंच के पेशेवरों ने एक समृद्ध मराठी रंगमंच का निर्माण किया है।

महाराष्ट्र सरकार मराठी भाषा को वैश्विक मंच पर लाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी- उद्योग एवं मराठी भाषा मंत्री डॉ. उदय सामंत

मराठी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि महाराष्ट्र की संस्कृति की प्राणवायु है। उद्योग एवं मराठी भाषा मंत्री डॉ. उदय सामंत ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम और छत्रपति शिवाजी महाराज की इस भाषा को वैश्विक मंच पर लाने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

ज्ञानेश्वरी, तुकाराम गाथा और छत्रपति शिवाजी महाराज की मराठी भाषा राजकोष की ऐतिहासिक विरासत के कारण, केंद्र सरकार ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। साथ ही, मराठी के साथ-साथ प्राकृत को भी शास्त्रीय भाषा का दर्जा देकर, महाराष्ट्र का सम्मान और बढ़ा है, मंत्री डॉ. सामंत ने कहा।

डॉ. सामंत ने कहा कि दिल्ली स्थित जेएनयू में मराठी भाषा केंद्र स्थापित किया जाएगा और वहाँ छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक बनाया जाएगा। नासिक के निकट शिरवाडे गाँव को 'पुस्तक ग्राम' के रूप में विकसित किया जा रहा है। कुसुमाग्रज के नाम पर ग्रामीण क्षेत्र में एक मराठी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि लंदन स्थित महाराष्ट्र मंडल को अपना स्थान उपलब्ध कराकर और उसे खरीदकर वहाँ विश्व का पहला 'वैश्विक मराठी भाषा केंद्र' स्थापित किया जाएगा।

इस अवसर पर हेमांगी अंक, नवभारत पत्रिका विशेषांक, रेडियो साक्षात्कारों पर आधारित पुस्तक 'मराठी चिए कुटुक्ते', संदर्भ पुस्तकालय सूचना पुस्तिका और ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए अभिजात मराठी ऐप का विमोचन किया गया। साथ ही, अभिजात मराठी दिवस के अवसर पर भारतीय डाक विभाग द्वारा एक विशेष डाक टिकट और आवरण का अनावरण भी किया गया।

पुणे की हाउसिंग सोसायटी में 12 वर्षीय बच्चे की लिफ्ट में फंस कर मौत

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पुणे में हाउसिंग सोसायटी में 12 वर्षीय

एक बच्चे की लिफ्ट में फंस कर मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना बृहस्पतिवार की शाम पांच बजे शहर के चारहोली बुद्रुक इलाके में स्थित राम स्मृति सहकारी सोसायटी में हुई।

अग्निशमन अधिकारियों के अनुसार, उन्हें मोबाइल फोन पर एक बच्चे के लिफ्ट के अंदर फंसे होने की जानकारी मिली जिसके बाद एक दल को तत्काल घटनास्थल पर भेजा गया।

अग्निशमन अधिकारी ने बताया, बच्चा तीसरी और चौथी मंजिल के बीच फंसा मिला। उसका निचला हिस्सा लिफ्ट कार और शाफ्ट दीवार के बीच बुरी तरह दब गया था। उन्होंने बताया कि अग्निशमन अधिकारी ने लिफ्ट नियंत्रण दरवाजे को तोड़ा और आगे किसी भी घटना को रोकने के लिए बिजली आपूर्ति काट दी।

इसके बाद उन्होंने लिफ्ट नीचे कर बच्चे को निकाला। अधिकारी ने बताया कि बच्चे को तत्काल पास के अस्पताल में ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वे घटना घटने के सटीक क्रम और लिफ्ट के खराबी का कारण पता करने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रॉम्बे पुलिस ने डेढ़ लाख का गांजा जब्त किया, एक आरोपी गिरफ्तार

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। ट्रॉम्बे पुलिस ने एक वाहन से बिक्री के लिए ले जाया जा रहा 1 लाख 60 हजार रुपये मूल्य का 8 किलो 176 ग्राम गांजा जब्त किया है। इस मामले में राहुल पिंटू शिंदे को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस परिमंडल 6 के अधिकार क्षेत्र के तहत ट्रॉम्बे पुलिस स्टेशन क्षेत्र में देवी विसर्जन व्यवस्था के दौरान, कांस्टेबल पवार और कांस्टेबल कोकरे ने कांस्टेबल होलंबे के साथ महाराष्ट्र नगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने एक संदिग्ध वाहन देखा। जब वाहन को एक तरफ से जांच की गई, तो इस वाहन के चालक ने अपने पास एक बैग छिपा रखा था। इसलिए, जब पुलिस ने बैग का निरीक्षण किया, तो उन्हें इसमें यह गांजा मिला। पुलिस ने राहुल शिंदे के खिलाफ ट्रॉम्बे पुलिस स्टेशन में नारकोटिक्स कंट्रोल एक्ट, 1985 की धारा 8 (ए), 20 (बी), 29 के तहत मामला दर्ज किया है। इस गांजे के साथ ही उसके पास से करीब 8 लाख की कीमत की एक वैगनार मोटर कार, एक मोबाइल फोन और 3 नकदी जब्त की गई है। इस अपराध के जांच अधिकारी सुशील लोंढे हैं।

यह कार्रवाई पुलिस परिमंडल 6 के उपायुक्त समीर शेख, सहायक पुलिस आयुक्त (ट्रॉम्बे डिवीजन और ट्रॉम्बे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश बाबशेट्टी, अनमलदार पवार, कोकरे, एमएसएफ जवान होम्बले और आतंकवाद विरोधी सेल के अधिकारी सुशील लोंढे और टीम ने किया है।

मराठी भाषा की गरिमा को बनाए रखना और उसके विकास पर ध्यान देना सभी की ज़िम्मेदारी है - डॉ. नरेंद्र पाठक

नवी मुंबई नगर निगम में वैचारिक मंथन के साथ शास्त्रीय मराठी भाषा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मराठी भाषा की गरिमा अंतर्निहित है, जिसे पिछले वर्ष 3 अक्टूबर को सरकार ने मान्यता दी थी। इसकी एक वर्षगाँठ हो रही है और अभिजात मराठी भाषा दिवस के अवसर पर, मराठी भाषा का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए। यह हम सभी की ज़िम्मेदारी है और सभी को निर्णय लेकर उस पर अमल करना चाहिए, ऐसा साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सदस्य डॉ. नरेंद्र पाठक ने कहा। अभिजात मराठी भाषा दिवस के अवसर पर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सदस्य डॉ. नरेंद्र पाठक ने अपने विचार व्यक्त किए।

अभिजात मराठी भाषा दिवस के अवसर पर, नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा मुख्यालय स्थित ज्ञान केंद्र में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के अवसर पर, मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में, डॉ. नरेंद्र पाठक ने मुख्यालय स्थित ज्ञान केंद्र में 'अभिजात मराठी, अभिमान मराठी' विषय पर उपस्थित लोगों से संवाद किया।

नवी मुंबई को मराठी भाषा का गौरवशाली शहर बताते हुए, डॉ. नरेंद्र पाठक ने कहा कि महानगरपालिका द्वारा विभिन्न स्थानों पर स्थापित चित्रमय काव्य दीवारों के माध्यम से शहर ने अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने शहर में साहित्यिक जागरूकता लाने के लिए नवी मुंबई महानगरपालिका द्वारा कार्यान्वित की जा रही विभिन्न नवीन पहलों की सराहना की।

विभिन्न उदाहरण देते हुए, डॉ. नरेंद्र पाठक ने शास्त्रीय मराठी भाषा का दर्जा प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हमें तमिल भाषियों की अपनी भाषा के प्रति पहचान को अपनाना चाहिए और उसी योजनाबद्ध तरीके से इसके लिए कार्य करना चाहिए जिस तरह से उन्हें शास्त्रीय भाषा का दर्जा प्राप्त हुआ। उन्होंने समझाया कि मराठी भाषा की वर्तमान स्थिति के लिए हम सभी जिम्मेदार हैं और इसके विकास के लिए सभी पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।

मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने के लिए आधार के रूप में प्रयुक्त ग्रंथ 'गाथा सप्तशती' की एक कथा का हवाला देते हुए और उसका अर्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि प्राचीन और पुराने ग्रंथों के माध्यम से हमें उस समय की झलक मिलती है, साथ ही उस समय की संस्कृति और रीति-रिवाजों का भी ज्ञान होता है। इसलिए हमें अध्ययन के माध्यम से अपनी प्राचीन साहित्यिक परंपराओं को जानने की जिज्ञासा रखनी चाहिए।

डॉ. नरेंद्र पाठक ने विचार व्यक्त किया कि मराठी भाषा का लालित्य शाश्वतता का प्रतीक है और अपनी मूल संस्कृति को संरक्षित करते हुए, प्रचलित मराठी भाषा के विकास के लिए सभी को व्यक्तिगत स्तर पर जागरूक होना चाहिए। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यदि अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने वाली नई पीढ़ी को बचपन से ही घर पर मराठी भाषा में संस्कारित किया जाए, तो मराठी भाषा का निरंतर विकास होगा। उन्होंने अपने पोते-पोतियों को एक अज्ञात उम्र से ही उनके सामने ऊँची आवाज़ में मराठी ओव, अभंग और कविताएँ सुनाकर उन पर संस्कार डालने के प्रयोग की जानकारी दी। उन्होंने यह आश्वासन देते हुए कि मराठी भाषा का परिचय नई पीढ़ी को ऐसे प्रयोगों से ही होगा, आशा व्यक्त की कि भाषा सीखने का अर्थ है ध्वनियों और ध्वनियों को सीखना और ये प्रयोग घर से ही किए जाने चाहिए।

डॉ. नरेंद्र पाठक ने कहा कि नई पीढ़ी को मराठी भाषा की ओर मोड़ने के लिए मराठी के माध्यम से आर्थिक अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है और इस संबंध में सभी स्तरों पर प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। हमें दैनिक जीवन में सर्वत्र मराठी बोलने पर जोर देना चाहिए और घरों, बस्तियों और समाजों में मराठी के प्रति जिज्ञासा पैदा करनी चाहिए, जिससे मराठी भाषा का निरंतर विकास होगा, ऐसा उन्होंने विश्वास व्यक्त किया। जैसा कि कवि कुसुमाग्रज ने कहा है, 'जब भाषा मरती है, तो देश मरता है, संस्कृति का प्रकाश भी बुझ जाता है' - इसी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने संक्षेप में कहा कि मराठी संस्कृति को बचाए रखने के लिए मराठी को यथासंभव अधिक से अधिक बोला और लिखा जाना चाहिए।

फेरीवालों के विरुद्ध मनपा प्रशासन का निरंतर कार्रवाई करने का आदेश

मंत्र भारत। भाईदंर

3 अक्टूबर, 2025 को मीरा भयंदर मधपा के आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) की अध्यक्षता में अतिक्रमण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उपायुक्त (मुख्यालय) कल्पिता पिंपले, सभी वार्ड सहायक आयुक्त और यातायात पुलिस विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस बैठक में शहर की सड़कों, चौराहों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर अवैध रूप से बैठे फेरीवालों के विरुद्ध कार्रवाई करने के संबंध में महत्वपूर्ण चर्चा हुई। नागरिकों को होने वाली असुविधा, यातायात की भीड़ और सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए, आयुक्त ने अतिक्रमण विभाग को तत्काल और निरंतर कार्रवाई करने का आदेश दिया। आयुक्त ने निर्देश दिया कि चौराहों, फुटपाथों और सड़कों पर अवैध रूप से फेरीवालों के विरुद्ध प्रतिदिन सख्त कार्रवाई की जाए। यह कार्रवाई एक बार बंद करने के बजाय निरंतर जारी रखी जाए, ताकि शहर में अनुशासन और स्वच्छता बनी रहे। साथ ही, माननीय आयुक्त ने यातायात पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर सड़क पर भीड़भाड़ कम करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

मध्य रेल के मुंबई मंडल ने संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया

प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर ने सुरक्षित रेल परिचालन के महत्व पर प्रकाश डाला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल के ट्रैक्शन रोलिंग स्टॉक परिचालन विभाग ने दिनांक 03.10.2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस सभागार, मुंबई में सिग्नल पासिंग एट डेंजर की रोकथाम पर एक संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया।

इस अवसर पर अनूप कुमार अग्रवाल, प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर, चंद्र किशोर प्रसाद, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी और हिरेश मीना, मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल, मध्य रेल उपस्थित थे।

मुख्यालय और मुंबई मंडल के वरिष्ठ अधिकारी भी संगोष्ठी में शामिल हुए। लगभग 300 रनिंग स्टाफ और मंडल मुख्य लोको निरीक्षकों ने संरक्षा संगोष्ठी में भाग लिया। विचार-विमर्श का मुख्य विषय खतरे में सिग्नल पासिंग (एसपीएडी) की रोकथाम, संरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं व असामान्य घटनाओं की स्थिति में की जाने वाली कार्रवाई में रनिंग स्टाफ की भूमिका का महत्व था।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रधान मुख्य विद्युत इंजीनियर अनूप कुमार अग्रवाल ने संरक्षित ट्रेन परिचालन, पेशेवर और व्यक्तिगत अनुशासन, सिग्नल लोकेशन अनाउंसमेंट सिस्टम (एसआईएलएएस), फॉग सेफ डिवाइस (एफएसडी) के महत्व और चालक दल के लिए बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के प्रशासन के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।

प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी चंद्र किशोर प्रसाद ने सिग्नल पास करने के लिए उंगली से इशारा (फिंगर पॉइंटिंग) करने और कॉल करने की तकनीक के महत्व पर बल दिया।

मुंबई मंडल के मंडल रेल प्रबंधक हिरेश मीना ने संरक्षित ट्रेन परिचालन में रनिंग स्टाफ की भूमिका पर गर्व व्यक्त किया और 'मिशन जीरो एसपीएडी' पर ध्यान केंद्रित किया।

मुख्य विद्युत इंजीनियर (ओपी) संजय सिंह ने निवारक उपायों, एसपीएडी को रोकने के लिए आरएस फ्लैप वाल्व परिचालन और सिग्नल पहलुओं के अनुसार सावधानीपूर्वक गति बनाए रखने की आवश्यकता पर बात की।

मुंबई मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक (संचालन/संरक्षा) एम. एल. विश्नोई ने ड्यूटी से पहले पर्याप्त आराम की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया। कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी सतीश अंबोरे ने एसपीएडी के मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और चालक दल से संबंधित वैश्विक संरक्षा प्रथाओं पर बहुमूल्य जानकारी साझा की।

इस सेमिनार ने प्रतिभागियों को उच्च अधिकारियों के अनुभवों से सीखने के लिए एक इंटरैक्टिव मंच प्रदान किया और प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से सुरक्षित ट्रेन संचालन के महत्व और चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का समापन मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरओ) शिखर श्रीवास्तव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने टीआरएसओ विभाग के अधिकारियों और रनिंग स्टाफ के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की।

इस पहल ने मुंबई मंडल की संरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने की निरंतर प्रतिबद्धता को उजागर किया, जिसका उद्देश्य जोखिमों को कम करना और रेलवे संचालन में उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करना है।

स्वच्छ पर्यावरण में मध्य रेल का योगदान

संरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने के अलावा, मध्य रेल स्वच्छता पखवाड़ा-2025- विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन करके अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

विशेष अभियान 5.0 (2-31 अक्टूबर, 2025) के अंतर्गत, मध्य रेल स्वच्छता और ई-कचरे के व्यवस्थित निपटान पर केंद्रित गतिविधियाँ चला रहा है। यह अभियान संपूर्ण स्वच्छता, बेहतर स्थान प्रबंधन, कार्यस्थल सौंदर्यीकरण, पर्यावरण-अनुकूल पहल, हरित प्रथाओं और पूरे नेटवर्क में डिजिटलीकरण पर भी ज़ोर देता है। प्रत्यक्ष जन सहभागिता, स्टेशनों पर नागरिकों की प्रतिक्रिया को शामिल करने और अनावश्यक सामग्रियों व कबाड़ के निपटान के माध्यम से राजस्व को अधिकतम करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे पूरे रेलवे में स्वच्छता और आधुनिक प्रबंधन मानकों को संस्थागत रूप दिया जा सके।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं बढ़नी के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं बढ़नी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः 1.ट्रेन संख्या 05034/05033 बांद्रा टर्मिनस - बढ़नी साप्ताहिक स्पेशल (16 फेरे) ट्रेन संख्या 05034 बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शनिवार बांद्रा टर्मिनस से 09:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:15 बजे बढ़नी पहुँचेगी। यह ट्रेन 11 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 05033 बढ़नी-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक गुरुवार बढ़नी से 21:30 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 06:30 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 09 अक्टूबर से 27 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, बयाना, ईदगाह आगरा, टूंडला, इटावा, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाह नगर, गोंडा और बलरामपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या की 05034 बुकिंग 05 अक्टूबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री वृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अर्चना दुसाने की कार्यशैली

सुर्खियों में ठाणे रेलवे स्टेशन से महिला यात्राओं के खोया हुआ सोने के चैन और मंगलसूत्र महिला यात्राओं को मिला वापस महिला यात्राओं के खुशी का नहीं रहा ठिकाना।

सम्पादकीय

रेपो दर वही, लेकिन खर्च और निवेश की रणनीति बदलने की जरूरत, आर्थिक संतुलन को बनाए रखना होगा

देश में केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों के संबंध में जो फैसला लिया जाता है, उसका असर मुख्यतः बाजार में ऋण चुकाने के लिए मासिक किस्तों पर किसी वस्तु की खरीदारी से लेकर जमीन-जायदाद के कारोबार पर भी पड़ता है। इसलिए जब भी रेपो दरों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक होती है, तब इसे लेकर आम लोगों के बीच उत्सुकता रहती है। हालांकि ज्यादातर साधारण लोगों को अर्थव्यवस्था के जटिल नियम-कायदों से बहुत वास्ता नहीं होता और वे ऐसे फैसलों के अमल के बाद बनने वाली स्थितियों पर निर्भर रहते हैं कि उनकी जेब ढीली होगी या उन्हें राहत मिलेगी।

गौरतलब है कि बुधवार को मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद यह घोषणा की गई कि इस बार भी नीतिगत दरों में में कोई बदलाव नहीं होगा। यानी बीते अगस्त की तरह अक्तूबर में ब्याज दर को 5.5 फीसद पर ही यथावत रखा गया है। कहा जा सकता है कि त्योहारों के इस मौसम में अगर लोगों को अतिरिक्त राहत नहीं मिली है, तो कोई बड़ा झटका भी नहीं लगा है। हालांकि पिछले कुछ समय से भारत सहित दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जिस तरह की अनिश्चितता बनी हुई है, उसमें आम लोगों का आशंकित होना स्वाभाविक है।

दरअसल, अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने की नीति पर कदम बढ़ाने के बाद भारत सरकार ने आंतरिक मोर्चे पर अर्थव्यवस्था को संभालने और आम लोगों को राहत देने के लिए जिस तरह माल एवं सेवा कर के ढांचे में बदलाव करने सहित कुछ अन्य कदम उठाए, उसमें रेपो दरों को लेकर भी लोगों के बीच यह उम्मीद बंधी थी कि इसमें भी कोई राहत का संदेश आएगा। मगर केंद्रीय बैंक की ओर से इसे यथावत रखने की घोषणा के बाद अब संभव है कि लोगों को अपने आर्थिक मामलों में थोड़ा संतुलन का ध्यान रखना होगा।

इससे पहले इस वर्ष रेपो दरों में तीन बार कटौती के साथ इसमें सौ आधार अंकों की कमी की जा चुकी है। जाहिर है, यह न केवल देश के भीतर आर्थिक उतार-चढ़ावों का सामना करने की कोशिश है, बल्कि फिलहाल दुनिया भर में आर्थिक मोर्चे पर जैसी चुनौतियां खड़ी हैं, उसमें स्थिरता बनाए रखने के उपायों से अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिल सकती है।

केंद्रीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो दरों को लेकर जो फैसले लिए जाते हैं, उसके तहत अगर इसमें कमी की जाती है, तो उसे मुख्य रूप से ऋण के लिहाज से सुविधाजनक माना जाता है। ऋण का सस्ता या महंगा होने का हिसाब इसी पर निर्भर करता है।

इसका सीधा और पहला असर वैसे उपभोक्ताओं पर पड़ता है, जिन्होंने घर, वाहन या अन्य सामान या फिर शिक्षा के लिए बैंकों से कर्ज लिया होता है। चूंकि रिजर्व बैंक की नीतिगत दरों के अनुरूप ही व्यावसायिक बैंक उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऋण और अन्य सावधि जमा के मद में ब्याज की दरों का निर्धारण करते हैं, इसलिए वैसे लोग भी रिजर्व बैंक की ओर से नीतिगत दरों में कमी किए जाने का इंतजार करते हैं, जो कर्ज सस्ता होने के बाद कुछ खरीदने या कहीं निवेश करने के बारे में सोच रहे होते हैं।

इस लिहाज से देखें तो इस बार नीतिगत दरों के यथावत रहने से ऋण की मासिक किस्तों में कोई बदलाव नहीं होगा। इससे बाजार की मौजूदा गति में कोई बड़ा अंतर शायद न आए, मगर इस वर्ष वाहन और जमीन-जायदाद के कारोबार में जो थोड़ी हलचल दिखी है, उसमें स्थिरता कायम रहने की उम्मीद की जा सकती है।

भविष्य की आपदा, अभी भी गर्मी बढ़ाने में लगे हैं दुनिया के 17 बड़े देश, 2030 तक बढ़ाएंगे कोयला, तेल और गैस उत्पादन

जलवायु परिवर्तन पर कुछ समय पहले आई एक रपट में चेतावनी दी गई है कि पेरिस जलवायु समझौते के दस साल बाद भी कई देश जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं, जो चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि अनेक देशों की सरकारें वर्ष 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल में तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 फीसद अधिक है।

पेरिस समझौते के अब दस साल पूरे होने जा रहे हैं। इसके मुताबिक, दुनिया भर के देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित 'सीओपी 28' में विभिन्न देशों ने ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर रुख करने के आह्वान पर पूरी तरह सहमति व्यक्त की थी।

स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स की 'उत्पादन अंतराल रपट 2025' के अनुसार, जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने के बजाय कई देशों की सरकारें अब सामूहिक रूप से वर्ष 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं।

ऐसे में जो चुनौतियां खड़ी होंगी, उसके मद्देनजर कहा जा सकता है कि आने वाले दशकों में जीवाश्म ईंधन के उत्पादन में और भी कमी लाने के लिए कदम उठाने होंगे। यह काम निश्चित रूप से चुनौती भरा होगा। इस रपट में अमेरिका, चीन, रूस, सऊदी अरब, भारत और आस्ट्रेलिया सहित बीस प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों को शामिल कर एक विश्लेषण

किया गया है। इसमें पता चला है कि सत्रह देश अभी भी 2030 तक जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। यानी कोयला, तेल या गैस का उत्पादन पहले की तुलना में कहीं अधिक होगा।

रपट में बताया गया है कि वर्ष 2030 तक कोयला उत्पादन 1.5 डिग्री सेल्सियस के अनुरूप स्तर से 500 फीसद अधिक होगा। इसी तरह तेल इकतीस और गैस का उत्पादन बानबे फीसद से अधिक होगा। जबकि वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इन देशों ने वर्ष 2040 तक कोयले का उपयोग लगभग समाप्त करने और 2050 तक तेल एवं गैस उत्पादन में तीन चौथाई कटौती करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

धरती पर रहने वाले संपूर्ण जीव-जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन से वर्तमान और भविष्य में पैदा होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य के जीवन और जलवायु परिवर्तन के बीच दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों के मुताबिक, औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और शहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तापमान बढ़ रहा है। यह पृथ्वी के लिए घातक है। स्वाभाविक रूप से इससे न केवल मानव सभ्यता पर असर पड़ेगा, बल्कि धरती पर हर जीव-जंतु प्रभावित होंगे।

ऐसा ही रहा तो इस सदी के अंत तक पृथ्वी पर गर्मी 2.7 फीसद बढ़ जाएगी, जिस कारण कई तरह के खतरों का सामना करना पड़ सकता है। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्ष एक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन (सीओपी) आयोजित किया जाता है। इसकी पिछली बैठक दुबई में हुई थी। पेरिस समझौते के तहत भागीदार देशों ने जो वचनबद्धता जताई थी, उसके अंतर्गत वास्तव में अभी तक छप्पन देशों ने ही संयुक्त राष्ट्र मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है।

इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन, जापान और भारत भी शामिल हैं। मगर रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष के कारण कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण के लिए जो कार्य किया जाना चाहिए था और नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जाना था, वह उम्मीद के अनुरूप नहीं हो रहा है। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयले से ऊर्जा उत्पादन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें अब फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं।

गौरतलब है कि ब्रिटेन में हुई पहली औद्योगिक क्रांति में कोयले का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। दरअसल, 1500 ईसवीं में बड़े पैमाने पर कोयला उत्खनन की शुरुआत हुई थी। इसके बाद जिन देशों में भी कारखाने लगे, उनमें लकड़ी और कोयले का इस्तेमाल लंबे समय तक होता रहा। दुनिया भर में रेलगाड़ियां कोयले से ही लंबे समय तक चलती रही हैं। भोजन पकाने, ठंड से बचने और उजाले के उपाय भी लकड़ी जला कर किए जाते रहे हैं। धुएं के बड़ी मात्रा में उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की शुरुआत औद्योगिक क्रांति की बुनियाद रखने के साथ ही आरंभ हो गई थी।

इसके बाद जब इन दुष्प्रभावों का अनुभव पर्यावरणविदों ने किया, तो 14 जून 1992 में रियो डी जनेरियो में पहला अंतरराष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन संपन्न हुआ। इस सम्मेलन के परिणामस्वरूप 16 फरवरी, 2005 को जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए क्योटो अंतरराष्ट्रीय संधि अस्तित्व में आई। इसमें शामिल देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। दुनिया के वैज्ञानिकों ने एकमत होकर कहा कि मानव निर्मित गैस सीओ-2 के उत्सर्जन से धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इस संधि पर 192 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं।

इस समय दुनिया में चल रहे दो भीषण युद्ध ने हालात बदल दिए हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक सम्मेलन में तय हुआ था कि वर्ष 2030 तक विकसित देश और 2040 तक विकासशील देश ऊर्जा उत्पादन में कोयले का उपयोग बंद कर देंगे। यानी 2040 के बाद थर्मल पावर अर्थात ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले से बिजली का उत्पादन पूरी तरह बंद हो जाएगा। तब भारत और चीन ने पूरी तरह कोयले पर बिजली उत्पादन पर असहमति जताई थी, लेकिन चालीस देशों ने कोयले का इस्तेमाल बंद कर देने का भरोसा दिया था। वहीं, बीस देशों ने विश्वास दिलाया था कि 2022 के अंत तक कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्र बंद कर दिए जाएंगे, मगर ऐसा कुछ हुआ नहीं। इन बदले हालात में अगर हमें जिंदा रहना है, तो जिंदगी जीने की शैली को भी बदलना होगा। हर हाल में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती करनी होगी।

अगर तापमान में वृद्धि को पूर्व औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करना है, तो कार्बन उत्सर्जन में 43 फीसद कमी लानी होगी। आइपीसीसी ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व औद्योगिक वर्ष के रूप में रेखांकित किया है। इसे ही बढ़ते औसत वैश्विक तापमान की तुलना के आधार के रूप में लिया जाता है। अगर कार्बन उत्सर्जन की दर नहीं घटी और तापमान 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है, तो असमय सूखा, बाढ़ और जंगलों में आग की घटनाओं का निरंतर सामना करना पड़ सकता है। बढ़ते तापमान का असर केवल धरती पर ही होगा, ऐसा नहीं है। इससे समुद्र का तापमान भी बढ़ेगा, जिससे तटवर्ती क्षेत्रों के कई शहरों का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा।

चिंता में जीते-जीते दुनिया से चले जाओगे, बेहतर है आज को खुलकर जी लो; कल की फिक्र में आज को न गंवाएं

जीवन में चिंता उस दिन शुरू हो जाती है, जिस दिन हम होश संभालते हैं। लेकिन आज की स्थितियां कुछ अलग दिखने लगी हैं। अब तो बच्चा दो-तीन वर्षों में ही स्कूल जाने लगता है। मां-पिता से लेकर बच्चा, तीनों को ही चिंता होनी शुरू हो जाती है, क्योंकि तब बच्चे के स्कूल की पढ़ाई और गृहकार्यों से लेकर उसे स्कूल में क्या पहनकर जाना है, क्या खाना है, सभी चीजों पर चिंता दिलोदिमाग पर बैठने लगती है। आजकल के अभिभावक पहले जैसे नहीं रह गए हैं। पहले कोई बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ता था कि बच्चा किस स्कूल में जाएगा या फिर उस स्कूल का 'स्टेटस सिंबल' या 'ऊंची हैसियत का प्रतीक' भी कुछ है या नहीं। अब तो बच्चा पैदा होने के साथ ही माता-पिता की चिंता शुरू हो जाती है। शुरुआत से लेकर आगे तक के स्कूलों के चुनाव को लेकर 'स्टेटस सिंबल' का मानस काम करता है। इसी के साथ शुरू हो जाता है खर्चो का सिलसिला। जब किसी को अपने और घर के खर्चे के साथ बच्चे को एक महंगे स्कूल में पढ़ाना है, तो चिंता स्वाभाविक है। इसके बाद अपने रहन-सहन से लेकर हर वह चीज, जो हमारी शानो-शौकत को दिखाती है, उसमें खर्चों की कोई गिनती नहीं रह जाती। मगर क्या हम गौर कर पाते हैं कि हैसियत के दिखावे की यह भूख हमें ऐसी जगह ले जा रही है, जहां एक समय आने पर हम चिंता के अंधकार में फंस जाते हैं और हमारा मन अशांत रहने लगता है। आजकल हमने देखा होगा कि कई लोग बहुत कम उम्र में ही या तो हृदय रोग या फिर किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं। ऐसा क्यों है, यह हमें पता है। गलत खानपान और रहन-सहन के अलावा दिन प्रति दिन लोगों की होड़ सबको चिंता में जकड़ देती है। इससे कम आयु में ही हृदयाघात और गंभीर बीमारी हमारा पीछा करने लगती है और हमें पता भी नहीं चलता कि हम कब इनकी गिरफ्त में आ गए। आजकल सोशल मीडिया के रूप में एक और चलन हर तरफ पसरा हुआ दिखाई देता है। यों तो सोशल मीडिया पर सक्रिय तमाम लोग लीन दिखते हैं, लेकिन आखिर यह भी चिंता का कारण क्यों बन रहा है। दरअसल, सोशल मीडिया के अलग-अलग मंचों पर सक्रिय रहने के चक्कर में लोग अपना ढेर सारा वक्त और कई बार गेम खेलते हुए बहुत सारे पैसे गंवा देते हैं। जिन्हें इसकी लत लग जाती है, उन्हें बहुत कुछ खो देने के बावजूद चैन नहीं पड़ता है। इसमें सक्रिय रहने के लिए यह चिंता खाए जाती है कि फलां के पास सब कुछ है, लेकिन मेरे पास कुछ नहींष्ठ उसकी किस्मत कितनी अच्छी है और मेरी फूटी किस्मत। नकारात्मकता दिलोदिमाग में इस कदर बैठ जाती है कि हम अपना जीवन सिर्फ सोशल मीडिया को ही समझने लगते हैं। जब अभिभावक ही इस बात को नहीं समझेंगे, तो बच्चे क्या समझेंगे।

बच्चे इसकी गिरफ्त में फंस चुके हैं। माता-पिता की इच्छा को ध्यान में रखते हुए उनके भीतर दूसरे से आगे बढ़ने की भूख है। स्कूली पढ़ाई में नंबर भी अच्छे लाने है, डाक्टर या इंजीनियर ही बनना है। यह सब तो उनके ऊपर बोझ है ही। साथ ही उन्हें सोशल मीडिया पर भी सक्रिय रहना है। यह बेहद चिंताजनक विषय है। बच्चे इसका और भी गलत इस्तेमाल करते हैं। आए दिन हम सुनते-पढ़ते हैं कि बच्चे गेम देख या खेल कर और आपत्तिजनक सामग्री देखकर किस तरह का बर्ताव करते हैं। पढ़ाई और गेम में जीतने की भावना उन्हें अंदर ही अंदर चिंताग्रस्त बनाए रखती है। उनका बचपन तो अब मानो खो ही गया है।

अगर जीवन को सही ढंग से जीना है और हम चाहते हैं कि हमारा परिवार खुशहाल जीवन व्यतीत करें, तो सबसे पहले लोगों की भेड़चाल में शामिल होने से बचना होगा। समझ लेना चाहिए कि चिंता एक चिता एक समान है और इससे जितना दूर रहा जाए, उतना ही अच्छा है। यह नहीं सोचने की जरूरत है कि कल क्या होगा। बल्कि आज को कैसे जिए, इसके बारे में सोचना चाहिए। सबसे पहले सोचना छोड़ देना चाहिए कि कोई क्या कहेगा। मसलन, 'स्टेटस सिंबल' के सवाल को दिलोदिमाग से निकाल देने की जरूरत है, क्योंकि इसी के कारण हमारा अपने खर्चों पर कोई काबू नहीं है।

अपने बच्चों को एक महंगे स्कूल में पढ़ाना या फिर सोशल मीडिया पर बिल्कुल अद्यतन रहना ही सब कुछ नहीं होता है। जरूरी है कि चिंता किए बिना जीवन जीने की कला को सीखा जाए, जिससे हमारा मन भी प्रसन्न रहेगा और हमारा परिवार एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकेगा। हमने यह पंक्ति खूब पढ़ी होगी कि चिंता छोड़ो, सुख से जियो। इसका मूल उद्देश्य है कि जीवन को इस तरह चिंता में न डुबोकर रखा जाए कि अपना जीवन ही व्यर्थ चला जाए। वर्तमान में जीवन जीने की कला होनी चाहिए, कल किसने देखा है।

दरअसल, दिखावा इंसान को अंदर तक चिंता में डुबो देता है। एक साधारण खानपान, व्यायाम और परिवार के साथ हर दिन खुशी-खुशी बिताना हमें सभी चिंताओं से दूर रखता है। यहां एक बात को समझना होगा कि हम अपनी आधी चिंता का अंत तुरंत कर सकते हैं, बशर्ते कि हम एक तरह का निजी स्वर्णिम पैमाना विकसित कर लें कि हमारे जीवन के संदर्भ में चीजों का मूल्य क्या है। चिंता हमें समाप्त कर दें, उससे पहले हम चिंता से खत्म होने से खुद को बचा लें। 'कितनी अजीब है जीवन की यात्रा' में स्टीफन लीकाक ने लिखा है कि बच्चा कहता है, मैं जब बड़ा हो जाऊंगाष्ठ बड़ा होने पर कहता है, जब मेरी शादी हो जाएगीष्ठ शादी हो जाती है, तो वह पीछे मुड़कर अपनी जीवन यात्रा को देखता है और उसे ठंडी हवा से सिहरन होती है। न जाने कैसे उसने सब गंवा दिया और जीवन पीछे छूट गया। बहुत देर बाद समझ आता है कि जिंदगी हर पल जीने के लिए होती है, इसलिए हमें चिंता छोड़कर हर पल को जीना होता है।

चीन की 'रेयर अर्थ मोनोपॉली' को उसके दोस्त पाक ने ही दी चुनौती, रंगीन बक्सा दिखाकर ट्रंप को खुश किया

पाकिस्तान की राजनीति में हाल के दिनों में एक दिलचस्प मोड़ आया है। प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और आर्मी चीफ़ असीम मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाक़ात के दौरान उनको एक बॉक्स में रंगीन खनिज पत्थर और अयस्क दिखाए। इनमें बास्टनज़ाइट और मोनाज़ाइट जैसे खनिज माने जा रहे हैं, जिनसे सेरीयम, लैंथेनम और नियोडिमियम जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स प्राप्त होते हैं। यही वह तत्व हैं जिन पर आज की दुनिया की हाई-टेक इंडस्ट्री यानि स्मार्टफोन, मिसाइल गाइडेंस सिस्टम और इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी आदि टिकी हुई हैं।

हम आपको बता दें कि पाकिस्तान लंबे समय से अपने 'अनछुए खनिज भंडार' की बात करता आया है, खासकर बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में। इन खनिजों का वास्तविक व्यावसायिक मूल्य या भंडार का आकार अभी तक स्पष्ट नहीं है, लेकिन हाल में पाकिस्तान की सैन्य-नागरिक सत्ता ने अमेरिकी कंपनी यूएस स्ट्रैटेजिक मेटल्स (यूएसएसएम)के साथ करार कर अपनी मंशा जाहिर कर दी है। बताया जा रहा है कि पहले चरण (2025-26) में आसानी से उपलब्ध तांबे व अन्य खनिजों का अमेरिका को निर्यात होगा। दूसरे चरण (2026-28) में पाकिस्तान में प्रोसेसिंग प्लांट्स और रिफाइनरी बनाने सहित टेक्नोलॉजी ट्रांसफर होगी। तीसरे चरण (2028 के बाद) में बड़े पैमाने पर खनन, ड्रिलिंग और 5-10 नए प्रोजेक्ट्स की शुरुआत होगी। बताया जा रहा है कि इस सौदे के शुरुआती निवेश का मूल्य लगभग 500 मिलियन डॉलर है। देखा जाये तो दुनिया के रेयर अर्थ बाज़ार पर चीन का लगभग 60-65ह नियंत्रण है और अमेरिका अपनी ज़रूरत का बड़ा हिस्सा चीन से ही आयात करता है। लेकिन हाल में बीजिंग ने 'नियंत्रित निर्यात' नीति अपनाई है, जिससे अमेरिका को गंभीर रणनीतिक दबाव महसूस हो रहा है। ऐसे में वॉशिंगटन अब वैकल्पिक स्रोत खोजने पर मजबूर है। पाकिस्तान के खनिज, भले अभी साबित नहीं हुए हों, लेकिन यदि वे व्यावसायिक रूप से उपयोगी निकले तो अमेरिका के लिए यह 'गेम-चेंजर' हो सकता है। यहाँ असली सवाल यही है कि पाकिस्तान के इस नए दांव का चीन के साथ उसके पुराने रिश्तों पर क्या असर होगा? हम आपको बता दें कि चीन ने पाकिस्तान में अरबों डॉलर का निवेश किया है। यदि पाकिस्तान अमेरिकी कंपनी को रेयर अर्थ खनन का अधिकार देता है, तो यह चीन के लिए सीधे रणनीतिक झटका होगा। चीन हमेशा से पाकिस्तान का 'ऑल-वेदर फ्रेंड' कहलाता रहा है। यदि पाकिस्तान अमेरिकी खेमे की ओर झुकता है, तो बीजिंग इसे रणनीतिक अविश्वास की तरह देख सकता है। चीन ने अब तक पाकिस्तान के खनिज संसाधनों में सीधी दिलचस्पी नहीं दिखाई थी, लेकिन अब उसे डर होगा कि अमेरिका पाकिस्तान को 'रेयर अर्थ का विकल्प' बना सकता है। हालाँकि पाकिस्तान की इस महत्वाकांक्षा के रास्ते में कई बाधाएँ भी हैं। जैसे बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा, जहाँ अधिकांश खनिज भंडार बताए जाते हैं, वह इलाके लगातार उग्रवाद और आतंकवाद से ग्रस्त हैं। वहाँ विदेशी निवेश और खनन संचालन आसान नहीं होगा। इसके अलावा, पाकिस्तान की सत्ता ढांचा अभी भी 'हाइब्रिड' यानी सेना और सरकार की खींचतान में उलझा हुआ है। लंबे समय तक भरोसेमंद नीतियाँ लागू कर पाना कठिन होगा। साथ ही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। रेयर अर्थ की खोज और प्रसंस्करण के लिए भारी तकनीकी और पूंजी निवेश चाहिए, जिसे बिना अमेरिकी मदद के अंजाम तक ले जाना मुश्किल होगा।

फिर भी यदि अमेरिका पाकिस्तान के खनिजों पर भरोसा करता है, तो चीन का 'रेयर अर्थ दबाव' कमजोर होगा। भारत के लिए भी यह तथ्य महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में नई गर्माहट आएगी, जो क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन को प्रभावित कर सकती है। देखा जाये तो पाकिस्तान इस सौदे से आर्थिक सहारा चाहता है, लेकिन इससे वह चीन और अमेरिका के बीच रणनीतिक रस्साकशी का मैदान भी बन सकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि पाकिस्तान का 'रेयर अर्थ कार्ड' उसकी विदेश नीति में नया पन्ना खोल सकता है। अमेरिका के लिए यह एक संभावित अवसर है, लेकिन चीन के लिए यह खतरे की घंटी होगी। सवाल यह है कि क्या पाकिस्तान अपने आंतरिक संकटों और सुरक्षा चुनौतियों से पार पाकर इस अवसर को वास्तविकता में बदल पाएगा? फिलहाल इतना तय है कि इस छोटे से बॉक्स में दिखाए गए रंगीन पत्थरों ने वैश्विक राजनीति के मंच पर बड़ी हलचल पैदा कर दी है। यदि अमेरिका को पाकिस्तान से भरोसेमंद रेयर अर्थ सप्लाई मिल जाती है, तो सचमुच एशिया और विश्व की शक्ति संतुलन की तस्वीर बदल सकती है और चीन की 'रेयर अर्थ मोनोपॉली' को पहली गंभीर चुनौती मिल सकती है।

टैरिफ तलवार से अब सिनेमा पर वार, विदेशी फिल्मों पर 100 फीसदी टैरिफ से बॉलीवुड होगा प्रभावित

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा फैसला लिया है जिसने भारत समेत पूरी दुनिया की फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है। अपने पारंपरिक अंदाज़ में सोशल मीडिया पर घोषणा करते हुए ट्रंप ने कहा है कि अब अमेरिका के बाहर बनी किसी भी फिल्म पर 100ह टैरिफ (कर) लगाया जाएगा। उनका तर्क है कि 'अमेरिकी फिल्म उद्योग को अन्य देशों ने चुरा लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से टॉफी छीन ली जाती है।'

देखा जाये तो यह फैसला केवल कूटनीतिक या वाणिज्यिक कदम नहीं है, बल्कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' सोच का नया नमूना है। किंतु सवाल यह है कि यह लगातार भारत जैसे देशों के हितों के विरुद्ध क्यों जाता है? और इससे भारत की सबसे प्रभावशाली सांस्कृतिक धारा यानि बॉलीवुड पर क्या असर पड़ेगा?

हम आपको बता दें कि ट्रंप का राजनीतिक आधार अमेरिकी मध्यवर्ग और घरेलू उद्योग जगत है, जो मानता है कि वैश्वीकरण ने उनकी नौकरियाँ छीन लीं। यही सोच फिल्म उद्योग में भी दिखाई देती है। अमेरिकी स्टूडियो लंबे समय से वीएफएक्स और एनीमेशन का बड़ा हिस्सा भारत जैसे देशों में आउटसोर्स करते रहे हैं। यह भारत के लिए रोज़गार और तकनीकी विकास का बड़ा अवसर था। लेकिन ट्रंप इसे 'अमेरिका की कमजोरी' के रूप में देखते हैं। देखा जाये तो भारत के हितों के विरुद्ध ट्रंप की नीति कोई नई बात नहीं है। पहले भी उन्होंने स्टील, एल्युमिनियम और आईटी सेवाओं पर कठोर रुख अपनाया। अब फिल्म उद्योग को निशाना बनाकर वह भारत को दोहरा नुकसान पहुँचा रहे हैं। ट्रंप के फैसले के बॉलीवुड पर संभावित असर की बात करें तो आपको बता दें कि भारतीय फिल्म उद्योग हर साल 100 से 150 मिलियन डॉलर अमेरिकी बाज़ार से कमाता है। हिंदी और तेलुगु की बड़ी फ़िल्में अकेले 10 मिलियन डॉलर तक की कमाई अमेरिका में करती हैं। यदि 100ह टैरिफ लागू होता है तो वहाँ टिकट की कीमत दोगुनी होकर 40 डॉलर तक पहुँच सकती है। इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे भारतीय प्रवासी दर्शक, जो अब तक भारतीय फ़िल्मों को बड़े पैमाने पर समर्थन देते आए हैं। इसके अलावा, ओटीटी और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स जैसे- नेटफ्लिक्स, अमेज़न प्राइम, डिज़्नीह्न हॉटस्टार के लिए भी यह झटका है। अगर भारतीय कंटेंट महँगा होगा, तो उसकी पहुँच कम होगी और प्रोड्यूसर्स को घाटा उठाना पड़ेगा। इससे भारतीय सिनेमा का वैश्विक प्रसार धीमा हो सकता है।

विडंबना यह है कि ट्रंप जिस हॉलीवुड की रक्षा करना चाहते हैं, उसी को उनके फैसले से सबसे बड़ा नुकसान होगा। हम आपको बता दें कि अमेरिकी फ़िल्म उद्योग की 70ह कमाई अंतरराष्ट्रीय बाज़ार से होती है। यदि अन्य देश जवाबी टैरिफ लगाते हैं तो हॉलीवुड का कारोबार ध्वस्त हो सकता है। इसके अलावा, हॉलीवुड की तमाम बड़ी फ़िल्मों– अवेंजर्सः एंडगेम, ड्यून, जंगल बुक, इंटरस्टेलर का पोस्ट-प्रोडक्शन भारत जैसे देशों में हुआ है। अगर यह सहयोग बाधित होता है तो न केवल लागत बढ़ेगी, बल्कि रचनात्मक गुणवत्ता भी प्रभावित होगी। माना जा रहा है कि भारतीय एनीमेशन और वीएफएक्स उद्योग 2026 तक 2.2 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। ट्रंप का यह फैसला इस ग्रोथ को रोक सकता है। लेकिन यह भारत के लिए एक अवसर भी है- नए बाजारों और साझेदारियों की तलाश का। यूरोप, एशिया और अफ्रीका में भारतीय कंटेंट के लिए संभावनाएँ हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यदि भारत अपनी फिल्मों और सेवाओं को अन्य बाज़ारों तक पहुँचाता है तो वह इस झटके को संतुलित कर सकता है।

देखा जाये तो ट्रंप का यह कदम एक बार फिर साबित करता है कि उनकी नीतियों का केंद्र केवल 'अमेरिका फर्स्ट' है, भले ही इससे उनके सहयोगी देशों को नुकसान क्यों न हो। भारत जैसे उभरते साझेदार, जिन्होंने दशकों से अमेरिकी तकनीक, मनोरंजन और व्यापार को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है, इस फैसले से प्रत्यक्ष नुकसान उठाएँगे। बॉलीवुड, जो विश्व का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, अमेरिकी बाज़ार में अपनी स्थिति खो सकता है। भारतीय दर्शकों के लिए टिकट और स्ट्रीमिंग की कीमतें बढ़ेंगी, और निर्माताओं को नए बाजार तलाशने होंगे। बहरहाल, ट्रंप के लिए यह राजनीतिक सफलता हो सकती है, किंतु वैश्विक सिनेमा के लिए यह कदम विनाशकारी सिद्ध होगा। सवाल यह है कि क्या दुनिया अमेरिकी राष्ट्रवाद के इस नए रूप के आगे झुक जाएगी, या फिर भारतीय सिनेमा समेत वैश्विक फिल्म उद्योग एकजुट होकर इसका जवाब देगा?

दुर्गा विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा
अयोध्या में किशोर की डूबने से मौत, पांच घंटे बाद शव बरामद

अयोध्या। जिले में दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान एक किशोर की डूबने से मौत हो गई जिसका पांच घंटे बाद शव बरामद किया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान बीकापुर तहसील क्षेत्र के साल्हीपुर परसीपुर गांव निवासी संदीप (16) के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, संदीप अपने परिजनों और ग्रामीणों के साथ दुर्गा देवी की प्रतिमा के विसर्जन के लिए गया था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और गोताखोरों की एक टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने लगभग चार घंटे तक तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। लगभग पांच घंटे बाद, ग्रामीणों ने जाल की मदद से संदीप को पानी से बाहर निकाला। अपर जिलाधिकारी (एडीएम) अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि उसे तुरंत एम्बुलेंस द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एडीएम ने बताया कि मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा

पक्षपात के चश्मे से नहीं 'पीड़ा भरी आँख' से भी देखा जाना चाहिए : अखिलेश यादव

लखनऊ **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 'क्राइम इन इंडिया 2023' रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के स्थिति की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में यूपी में सांप्रदायिक और धार्मिक दंगों की संख्या शून्य रही। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में दलित उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उनका कहना है कि भाजपा सरकार के कामकाज को सिर्फ पक्षपात के चश्मे से नहीं, बल्कि 'पीड़ा भरी आँख' से भी देखा जाना चाहिए।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि एक आँकड़ा ये भी है। भाजपा सरकार के काम को सिर्फ पक्षपात के चश्मे से नहीं, पीड़ा भरी आँख से भी देखा जाए। उप्र में दलित दमन चरम पर है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि एक टीवी शो इस आँकड़े पर भी होना चाहिए। एक होर्डिंग इस सच का भी लगना चाहिए। एक विस्तृत रिपोर्ट इस पर भी समाचार के रूप में प्रसारित-प्रकाशित होनी चाहिए। एक एसआईटी इसकी विवेचना के लिए

भी बननी चाहिए। एक अध्याय इसके लिए भी, पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए। अखिलेश यादव ने ये भी कहा, एक जाँच आयोग इसके लिए भी बैठाया जाए। एक विशेष वाहिनी, दलित-दमन के उन्मूलन के लिए भी बनाई जाए। एक श्वेतपत्र इस काले अपराध पर भी आना चाहिए। एक रोड शो इस समस्या के बारे में भी जागरूकता फैलाने के लिए निकाला जाए। एक 'पाँच हज़ार वर्षीय' आयोजन, इस ऐतिहासिक उत्पीड़न की 'पंच सहस्राब्दी' के रूप में, चेतना जगाने के लिए भी आयोजित किया जाए।

गौरतलब है कि एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में अपराध दर राष्ट्रीय औसत से 25 प्रतिशत कम रही। देश में कुल अपराध दर 448.3 थी, जबकि यूपी में यह केवल 335.3 दर्ज की गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012-2017 के बीच यूपी में 815 दंगे हुए थे, जिनमें 192 लोग मारे गए। वहीं 2007-2011 में 616 घटनाओं में 121 मौतें हुईं। इसके विपरीत, 2017 के बाद कोई बड़ा दंगा नहीं हुआ। बरेली और बहराइच में हुई दो हिंसक घटनाओं को भी सरकार ने 24 घंटे के भीतर नियंत्रित कर शांति बहाल कर दी।

राजेसुल्तानपुर में सियासी घमासान
समर्थकों संग नगर पंचायत अध्यक्ष धरने पर बैठे, बोले- जिलाध्यक्ष मांगे माफी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अम्बेडकर जिले में भाजपा जिलाध्यक्ष और नगर पंचायत अध्यक्ष राजेसुल्तानपुर के बीच विवाद अब तूल पकड़ लिया है। नगर पंचायत अध्यक्ष राजेसुल्तानपुर अपने समर्थकों के साथ बुधवार को धरने पर बैठ गए। उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयम्बक तिवारी पर अपमानित और प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। नगर पंचायत अध्यक्ष राजेसुल्तानपुर विनोद प्रजापति ने और उनके समर्थकों ने जोरदार नारेबाजी की और मांग की कि भाजपा जिलाध्यक्ष आकर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक माफी नहीं मिलेगी, तब तक धरना जारी रहेगा।

गौरतबलब है कि मामले की पृष्ठभूमि तीन दिन पहले की है, जब भाजपा जिलाध्यक्ष त्रयम्बक तिवारी एसडीएम के साथ नगर पंचायत राजेसुल्तानपुर पहुंचे थे। नगर पंचायत अध्यक्ष का आरोप है कि जिलाध्यक्ष ने बिना किसी प्रोटोकॉल के कर्मचारियों की हाजिरी ली और उन्हें सदन से अपमानित कर बाहर निकलवा दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष ने इसे अपने पद और संस्था का अपमान बताते हुए विरोध दर्ज कराया है।

'ये मुसलमान है, मैं इसे नहीं देखूंगी, डॉक्टर ने धर्म का हवाला देकर इलाज करने से किया इंकार

'शमा परवीन' की कहानी कर देगी हैरान

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के जौनपुर जिला महिला अस्पताल में धर्म के आधार पर इलाज से इनकार करने का मामला प्रकाश में आया है। अस्पताल में भर्ती महिला शमा परवीन उम्र 27 साल ने आरोप लगाया कि डॉक्टर ने उन्हें और एक अन्य मुस्लिम महिला को देखने से ये कहकर मना कर दिया कि वो मुस्लिम हैं। शमा के अनुसार डॉक्टर ने कहा कि इसको मैं नहीं देखूंगी। इसे ऑपरेशन थिएटर में मत ले जाना।

चंदवक निवासी शमा परवीन की शादी मोहम्मद नवाज से हुई है। प्रसव पीड़ा के दौरान उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शमा के अनुसार, घटना 30 सितंबर की रात लगभग 9:30 बजे की है। डॉक्टर ने धर्म के आधार पर उनका और एक अन्य मुस्लिम महिला का इलाज करने से इनकार कर दिया। वहीं अन्य मरीजों को देखा गया। शमा के पति मोहम्मद नवाज ने भी दावा किया कि डॉक्टर ने कहा कि महिला मुसलमान है, इसे कहीं और लेकर जाओ, हम नहीं देखेंगे। उनका कहना है कि यह व्यवहार पूरी तरह अनुचित और गैरकानूनी है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए जिला महिला अस्पताल के सीएमएस महेंद्र गुप्ता ने कहा कि अस्पताल प्रशासन ने इस घटना का संज्ञान लिया है। साथ ही संबंधित डॉक्टर और स्टाफ से स्पष्टीकरण मांगा गया है। हालांकि महेंद्र गुप्ता ने कैमरे के सामने कुछ भी बोलने से मना किया है।

अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। स्पष्ट किया गया कि किसी भी मरीज के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं सीएमएस ने यह भी कहा कि मीडिया के लोग जबरदस्ती लेबर रूम में घुस गए। जिससे मरीजों की निजता प्रभावित हुई है।

दिवाली पर प्रदेश सरकार का मुफ्त एलपीजी सिलेंडर का तोहफा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश सरकार दिवाली को मौके पर महिलाओं को मुफ्त एलपीजी सिलेंडर दे रही है। यह सुविधा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में इस योजना से 1.75 करोड़ से अधिक महिलाएं लाभान्वित होंगी। योगी आदित्यनाथ सरकार साल में दो बार फ्री सिलेंडर देती है एक होली और दूसरा दिवाली के मौके पर। योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पाने के लिए अलग आवेदन की आवश्यकता नहीं होगी।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। इसका उद्देश्य गरीब और ग्रामीण परिवारों, खासकर महिलाओं, को साफ ईंधन (एलपीजी) उपलब्ध कराना है। अब तक 10 करोड़ से अधिक महिलाएं इस योजना से जुड़ चुकी हैं। योजना में सरकार सिलेंडर पर 300 रुपए की सब्सिडी देती है, जिससे लाभार्थियों को गैस सामान्य कीमत से सस्ती मिलती है।

हाल ही में पेट्रोलियम मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में गरीब महिलाओं को 25 लाख अतिरिक्त मुफ्त एलपीजी कनेक्शन देने की मंजूरी दी है। इस विस्तार के साथ योजना के तहत कुल कनेक्शन 10.58 करोड़ हो जाएंगे। सरकार ने इसके लिए 676 करोड़ रुपए के व्यय को मंजूरी दी है। लाभार्थियों को सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर, सुरक्षा नली, डीजीसीसी पुस्तिका और पहली बार सिलेंडर भरने के साथ चूल्हा भी मुफ्त मिलेगा। एलपीजी कनेक्शन और संबंधित सुविधाओं की पूरी लागत केंद्र सरकार और पेट्रोलियम विपणन कंपनियां वहन करती हैं।

लाभार्थियों के पास 14.2 किलोग्राम, 5 किलोग्राम या दो 5 किलोग्राम के सिलेंडर के विकल्प मौजूद हैं, ताकि वे अपनी जरूरत के अनुसार सिलेंडर चुन सकें।

मैं साधारण विधायक नहीं हूं तुम जहां भी रहोगे वहां निपटा देंगे

बीजेपी विधायक ने दरोगा को दी धमकी, वीडियो वायरल

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कुशीनगर से एक बीजेपी विधायक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विधायक यूपी पुलिस के एक दरोगा को धमकी दे रहा है। विधायक ने कहा कि वह कोई आम विधायक नहीं हैं। तुम जहां भी रहोगे वहां निपटा देंगे। ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

वायरल हुआ ये वीडियो बीजेपी विधायक पीएन पाठक का है। दरअसल, सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मृत्यु के बाद पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे विधायक से गांव और परिजनों ने शिकायत किया था कि हादसे में मौत नहीं हुई है, बल्कि हत्या करके उसे हादसे का रूप दिया गया है। परिजनों को आरोप है कि ये सारी बातें पुलिस को पता होने के बाद भी मामला दर्ज नहीं किया गया। परिवार वालों का आरोप है कि पुलिस गुमराह कर रही है।

मृतक के परिजनों के पुलिस पर लगाए गए आरोपों को सुनकर विधायक काफी गुस्से में आ गए। इसके बाद उन्होंने तुरंत क्षेत्रीय दारोगा को बुलाया और अपनी भाषा में समझाया। विधायक ने नसीहत देते हुए कहा कि यह आप ही निर्णय करेंगे तो कर लीजिए। परिजन कह रहे हैं तो मुकदमा लिख लो और जो सही हो वह करो, नहीं तो बख्शुंगा नहीं तुम्हें। नई नौकरी है तुम्हारी... इस बात को समझ लो...मैं साधारण विधायक नहीं हूं। यहीं नहीं कहीं भी पोस्टिंग करा कर निपटवा दूंगा तुम्हे...। बीजेपी विधायक का दारोगा को धमकाने का ये वीडियो जमकर वायरल हो रहा है।

करूर भगदड़की नहीं होगी सीबीआई जांच मद्रास हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने शुक्रवार को करूर भगदड़ मामले की सीबीआई जाँच का आदेश देने से इनकार कर दिया और कहा कि करूर पुलिस की जाँच अभी शुरुआती चरण में है। अदालत देसिया मक्कल शक्ति काची द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी और एक पीड़ित द्वारा दायर याचिका पर भी विचार कर रही थी। पीठ ने कहा कि राजनीतिक दल की जनहित याचिका पर विचार नहीं किया जा सकता क्योंकि वह पीड़ित पक्ष नहीं है। पीड़ित की याचिका के मामले में, पीठ ने उसे चेन्नई स्थित मुख्य पीठ के पास जाने का निर्देश दिया, जो पहले से ही राजनीतिक रैलियों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने से संबंधित मामलों को देख रही है।

सुनवाई के दौरान, अदालत ने राजनीतिक दलों को निर्देश जारी करते हुए भविष्य की रैलियों में उचित पेयजल, स्वच्छता सुविधाएँ और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध कराने को कहा। पीठ ने कहा उन लोगों के बारे में सोचिए जिन्होंने अपनी जान गंवाई। राज्य ने अदालत को बताया कि जब तक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता, तब तक बड़े पैमाने पर रैलियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। 27 सितंबर को करूर में तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय की एक जनसभा के दौरान हुई भगदड़ में कम से कम 41 लोगों की मौत हो गई और 100 से ज़्यादा घायल हो गए। भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम स्थल पर दहशत फैल जाने से कई लोग बेहोश हो गए।

इस त्रासदी के बाद, विजय ने दो हफ़्ते के लिए सभी राजनीतिक रैलियाँ स्थगित कर दीं और उनकी पार्टी ने मृतकों के परिवारों के लिए 20 लाख रुपये की राहत राशि की घोषणा की। कांग्रेस ने कहा कि उसने प्रभावित परिवारों को कुल 1.25 करोड़ रुपये की सहायता राशि दी है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीड़ितों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50, 000 रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। इसके अलावा, पीठ ने टीवीके नमक्कल जिला सचिव सतीश कुमार की अग्रिम ज़मानत याचिका भी खारिज कर दी। न्यायाधीश ने सवाल किया कि रैली के दौरान पार्टी भीड़ को नियंत्रित करने में क्यों विफल रही और कार्यकर्ताओं के व्यवहार पर चिंता जताई, जिसमें सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की

टीआरपी की रेस में 'अनुपमा' का जलवा बरकरार, बिग बॉस 19 पर गिरी गाज

मुंबई।घर-घर में ये टीवी सीरियल टीआरपी में धूम मचा रहे है। हाल ही में बीएआरसी ने 38वें हफ्ते की टीआरपी रिपोर्ट जारी कर दी है। इस बार इन रिपोर्ट्स में काफी बदलाव देखने को मिला है। पिछले कुछ हफ्तों में 'अनुपमा', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 और 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' टीआरपी चार्ट में टॉप 3 पर बने हुए थे। हालाकिं, इस बार ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। दरअसल, एक सीरियल ने 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' बैंड बजा दिया है। इस बार इस सीरियल की रैकिंग में भारी गिरावट देखने को मिली है।

इस बार भी टीआरपी के मामले में अनुपमा पहले नंबर पर बना हुआ। अनुपमा की टीआरपी 2.3 है। दूसरे नबंर पर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' बना हुआ है, जिसकी टीआरपी 2.2 है। अब यही देखना बाकी रह गया है कि स्मृति ईरानी स्टारर 'अनुपमा' को कब पछाड़ देंगी। अब कह सकते हैं कि मैकर्स टॉप 1 पर आने का खूब प्रयास भी कर रहे हैं।

टीआरपी रेटिंग में तीसरे स्थान पर 1.9 की रैकिंग में सीरियल 'उड़ने की आशा' है और 1.8 की टीआरपी के साथ 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' चौथे स्थान पर सरक गया है। वहीं, पाचवें स्थान की बात करें तो शरद केलर स्टारर सीरियल 'तुम से तुम तक' इस हफ्ते 1.7 की टीआरपी पर रहा है। इसके अलावा, नया शो 'गंगा माई की बेटियां' टीआरपी के मामले में छंठे स्थान पर रहा है। इसको टीआरपी रैकिंग 1.5 मिली है।

इतना ही नहीं, 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' को इस बार है 1.5 की टीआरपी के साथ सातवें स्थान पर आया है। इस हफ्ते'वसुधा' ने 1.5 की टीआरपी के साथ आठवें स्थान हांसिल किया है और नौवें स्थान पर 1.4 के साथ 'मन्नत' और 1.3 की टीआरपी के साथ 'मंगल लक्ष्मी' है। हालांकि, इस बार बिग बॉस 19 काफी पीछे रह गया है। जिसकी टीआरपी 38वें हफ्ते 1.1 रैकिंग के साथ 19वें स्थान पर आ गया है।

जीएसटी कटौती से कंपनियों की बल्ले-बल्ले
टूटा बिक्री का 10 साल पुराना रिकॉर्ड, दिवाली पर भी मचेगी धूम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नवरात्रि के दौरान उपभोक्ता सामान से लेकर ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिला। इस दौरान बिक्री का 10 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। जीएसटी कटौती और घटती कीमतों की वजह से ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की। सरकार ने दावा किया है कि 22 सितंबर से लागू नए रेट्स के तहत करीब 400 आइटम्स पर टैक्स कम हुआ है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग ब्रांड्स की बिक्री 25इ से लेकर 100इ तक बढ़ी है। यह कंपनियों और दुकानदारों के लिए बड़ी राहत की बात है। पिछले 5-6 साल से बाजार में मांग बहुत कम थी। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने बताया कि उनकी नवरात्रि की बिक्री पिछले साल से दोगुनी हो गई है। यह कम से कम दस साल में उनकी सबसे अच्छी बिक्री रही है। स्विफ्ट और ऑल्टो जैसी कारें बनाने वाली इस कंपनी को नवरात्रि के दौरान बुधवार रात तक 700, 530 क्वेरी मिली। भारत के सबसे बड़े रिटेलर रिलायंस रिटेल की बिक्री पिछली नवरात्रि के मुकाबले 20-25इ बढ़ी। इसमें बड़े स्क्रीन वाले टीवी, स्मार्टफोन और फैशन के सामान ने बिक्री को आगे बढ़ाया। इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेल चेन विजय सेल्स की बिक्री में भी 20इ से ज्यादा तेजी आई है।

दुकानदारों का कहना है कि नवरात्रि में उमड़ी ग्राहकों की भीड़ दिवाली और शादी के सीजन में और ज्यादा बढ़ेगी। टीवी, एसी, रेफ्रिजरेटर जैसे घरेलू सामानों की मांग दिवाली के बाद भी मजबूत रहने की उम्मीद है।

विधायक टी राजा का विवादित बयान
बोले- लव जिहादी को ठोकने का नशा करो इसमें बहुत मजा है, लोगों को दिलाई शपथ

इंदौर। तेलंगाना के गोशामहल से बीजेपी विधायक टी. राजा सिंह ने विजयादशमी के अवसर पर इंदौर के छावनी स्थित रावण दहन कार्यक्रम में हिस्सा लिया और मंच से विवादित बयान देकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में नई बहस छेड़ दी। दर्शन व कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात में राजा सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया कि पूरे प्रदेश के बाजारों में बैनर लगाकर मध्यप्रदेश को जिहादी मुक्त घोषित करने का संदेश दिया जाए। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सोशल मीडिया पर निवेदन कर कानून बनवाने की मांग रखें खासकर वह कानून जिसे वे हम दो हमारे दो जैसा कानून मानते हैं। राजा सिंह ने मंच पर कहा कि आज का असली रावण लव जिहादी है। वह जो धर्मांतरण कराता है या युवाओं को प्रभावित कर रहा है। उनका तर्क था कि कुछ लोग युवाओं को नशे और सोशल मीडिया के जरिये लक्ष्य बनाकर हिंदू समाज को कमजोर करने की साज़िश रच रहे हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि अगर किसी तरह का नशा लेना है तो देश और धर्म के नशे का असर लें, लव जिहादी को ठोकने का नशा की बात कही।

टी. राजा सिंह ने आरएसएस की सार्वजनिक तारीफ भी की और कहा कि संघ ने देश के संकट के समय हमेशा आगे आकर मानवता की सेवा की है। उन्होंने आरएसएस को ऐसे संगठन के रूप में पेश करते हुए कहा कि वह लोगों को जीवन और मृत्यु की शिक्षा देता है और देश के लिये समर्पित लड़ाके तैयार करता है। राजा सिंह ने इंदौर शहर पर भी नाराज़गी जताई और दावा किया कि कुछ जगहों को लव जिहाद का अड्डा बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नौजवानों को निशाना बनाया जा रहा है और कुछ लोग परिवारों को आर्थिक व राजनैतिक समर्थन देकर धर्मांतरण जैसी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 2.33 अरब घटकर 700.24 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 2.33 अरब डॉलर घटकर 700.24 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 39.6 करोड़ डॉलर घटकर 702.57 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 26 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.39 अरब डॉलर घटकर 581.76 अरब डॉलर रहीं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है।

केन्द्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 2.24 अरब बढ़कर 95.02 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) नौ करोड़ डॉलर घटकर 18.78 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 8.9 करोड़ डॉलर घटकर 4.67 अरब डॉलर रह गया।

नवी मुंबई एयरपोर्ट का नाम दि. बा. पाटील पर तय, मुख्यमंत्री फडणवीस का आश्वासन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

लंबे समय से चल रही नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के नामकरण की मांग को लेकर अब बड़ा संकेत मिला है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ कर दिया है कि एयरपोर्ट को लोकनेते दि. बा. पाटील का ही नाम दिया जाएगा। यह आश्वासन मुख्यमंत्री फडणवीस ने नवी मुंबई एयरपोर्ट नामकरण सर्वपक्षीय कृती समिति के पदाधिकारियों को मुंबई में हुई बैठक में दिया। समिति के प्रतिनिधिमंडल ने वन मंत्री गणेश नाईक के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से भेंट कर स्थानीय भूमिपुत्रों की तीव्र भावनाएं उनके समक्ष रखीं। बैठक में माजी केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटील ने कहा कि अगर इस नामकरण प्रक्रिया में कोई अड़चन है तो मुख्यमंत्री खुद हस्तक्षेप कर मार्ग प्रशस्त करें। उन्होंने बताया कि 2016 में लोकसभा में सबसे पहले उन्होंने ही नवी मुंबई एयरपोर्ट को दि. बा. पाटील का नाम देने की मांग उठाई थी। इसके बाद महाराष्ट्र विधानसभा और विधान परिषद दोनों में प्रस्ताव पारित हुआ, जिसे नागरी उड्डयन मंत्रालय को भेजा गया। वहां से यह प्रस्ताव गृह मंत्रालय गया और गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद इसे प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा गया है।बैठक में कपिल पाटील ने मुख्यमंत्री से यह भी अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री कार्यालय में लंबित इस प्रस्ताव को लेकर राज्य सरकार स्तर पर पहल कर समाधान निकाला जाए। जवाब में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने समिति को भरोसा दिलाया कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे को दि. बा. पाटील का नाम देने का निर्णय पक्का है।मुख्यमंत्री से भेंट करने वाले प्रतिनिधिमंडल में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, कृती समिति के अध्यक्ष दशरथ पाटील, माजी केंद्रीय राज्यमंत्री कपिल पाटील, माजी सांसद जगन्नाथ पाटील, माजी सांसद रामशेठ ठाकूर, सांसद सुरेश म्हात्रे, संजीव नाईक, विधायक प्रशांत ठाकूर समेत कई जनप्रतिनिधि और मान्यवर शामिल थे।

भिवंडी में विजयादशमी पर नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन महायज्ञ संपन्न

भिवंडी (संवाददाता) ।विजयादशमी के पावन अवसर पर शहर के कामतघर स्थित गायत्री प्रजापीठ, गौशाला परिसर में नौ कुंडीय शक्ति संवर्धन महायज्ञ का आयोजन वैदिक मंत्रोच्चार और श्रद्धा-भक्ति के बीच संपन्न हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ में भाग लेकर आहुतियां अर्पित कीं और वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से पवित्र बनाया।गायत्री प्रजापीठ की ब्रह्मवंदनीय बहनों की टोली ने यज्ञ स्थल पर कई परिवारों के जन्मदिवस, संस्कार और विद्यारंभ संस्कार जैसे धार्मिक कार्यक्रम पूरे कराए। इस अवसर पर आचार्य ने यज्ञ परंपरा को प्राचीन विज्ञान बताते हुए कहा कि यज्ञ व्यक्ति, वातावरण और चेतना के सूक्ष्म स्तर को शुद्ध करता है। उन्होंने बताया कि यज्ञ नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर सकारात्मक ऊर्जा का संवर्धन करता है। 'ईश्वर ऊर्जा का ही स्वरूप है और यज्ञ के माध्यम से हम उसी शुद्ध और जीवंत ऊर्जा के समीप पहुंचते हैं,' उन्होंने कहा।परिवाङ्काका सुषमा दीदी ने भी उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यज्ञ की तकनीक से प्राप्त शक्ति अत्यंत शुद्ध और जीवनदायी होती है। पंचभूतों, मंत्रोच्चार और यंत्रों से उत्पन्न ऊर्जा जब पृथ्वी तत्व से स्पर्श करती है तो वातावरण को भौतिक और सूक्ष्म दोनों स्तरों पर परिशुद्ध करती है।कार्यक्रम को सफल बनाने में गीता बेन पटेल, सुनीता नायक, ममता शर्मा सहित सभी परिजनों का विशेष योगदान रहा।

भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका में अभिजात मराठी भाषा सप्ताह की शुरुआत

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका की ओर से आज से अभिजात मराठी भाषा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। राज्य सरकार के परिपत्रकानुसार हर वर्ष 3 अक्टूबर को 'अभिजात मराठी भाषा दिवस' और 3 से 9 अक्टूबर तक 'अभिजात मराठी भाषा सप्ताह' मनाया जाता है।

शहर में इस सप्ताह का उद्घाटन शुक्रवार को दोपहर 12 बजे श्री मार्कंडेय महामुनी वाचनालय में किया गया। दीप प्रज्वलन का कार्य अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके ने संपन्न किया। इस अवसर पर 'महाराष्ट्राची महावक्ता' कार्यक्रम की विजेता कु. संस्कृती सदानंद म्हात्रे ने विशेष प्रस्तुति दी। वहीं वाचनालय की ओर से ग्रंथ प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एमपीएससी और यूपीएससी के विद्यार्थी शामिल हुए। अतिरिक्त आयुक्त डाके ने छात्रों को मराठी भाषा और साहित्य की विरासत को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। इस मौके पर नगरसेवक संतोष शेट्टी, सहायक आयुक्त (निर्वाचन) नितीन पाटिल, वाचनालय विभाग प्रमुख सुदाम जाधव समेत नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।महानगरपालिका के स्कूलों में भी सप्ताह भर विभिन्न सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आगामी दिनों में ग्रंथ दिंडी, ग्रंथ प्रदर्शनी और व्याख्यानमाला जैसे कार्यक्रम आयोजित होंगे। महानगरपालिका के प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) ने नागरिकों से इस सप्ताह में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में शामिल होकर मराठी भाषा के संवर्धन में योगदान देने की अपील की है।

भिवंडी कोर्ट से फरार हत्यारोपी ने रेप के बाद एक और बच्ची को उतारा मौत के घाट, गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में एक बच्ची के रेप और हत्या मामले में फरार चल रहे आरोपी ने निजामपुरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में 7 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी। 4 अगस्त को भिवंडी कोर्ट से फरार हुए आरोपी सलामत अली अंसारी को पुलिस ने दूसरी वारदात के बाद गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट ने आरोपी को 8 अक्टूबर तक रिमांड पर भेज दिया है। बच्ची के माता-पिता दूसरे राज्य से डेढ़ साल पहले भिवंडी आए थे, जहां मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। उनके चार बच्चे हैं- दो बेटियां (8 और 7 साल) और दो बेटे (5 और 3 साल के)। बड़ी बेटी को दादा-दादी के पास बिहार छोड़कर दंपति छोटी बेटी और दो बेटों को लेकर डेढ़ साल से निजामपुरा पुलिस स्टेशन इलाके में किराए की खोली में रह रहा था। चार दिन पहले ही आरोपी सलामत अली ने उनके पास ही में एक खोली किराए पर ली।

गौरतलब हो कि भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन इलाके में 6 साल की बच्ची की रेप कर हत्या कर दी गई थी। शव को बाल्टी में छिपाकर वह कमरा बंद कर आरोपी फरार हो गया था। 20 सितंबर 2023 को पुलिस ने सलामत अली को बिहार से गिरफ्तार कर लिया था।

ठाणे जेल में बंद सलामत को 4 अगस्त 2025 को सुनवाई के लिए कोर्ट लाया गया, लेकिन पुलिसकर्मियों को चकमा देकर वह फरार हो गया। सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले ने इसकी पुष्टि की थी।

सूत्रों के अनुसार, फरार होने के बाद सलामत अपने गांव पहुंचा, लेकिन लोगों ने उसे भगा दिया। उसके बाद आरोपी सलामत कुछ दिनों तक भिवंडी के पहाड़ी इलाकों में छिपा रहा। इस दौरान उसकी नजर पास की खोली में रहने वाली 7 साल की बच्ची पर पड़ गई। 1 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे बच्ची शौच के लिए निकली। आरोपी ने चिप्स-वेफर्स का लालच देकर उसे अपनी खोली में बुलाया और क्रूरता की सारी हदें पार कर दी। रेप करने के बाद सलामत ने गला दबाकर उसे मार डाला और शव को बोरे में भरकर और खोली में ताला लगाकर फरार हो गया।

दोपहर 3 बजे से बच्ची के माता-पिता उसे तलाश रहे थे। शाम 6 बजे पड़ोसियों ने आरोपी की खोली का ताला बंद देखा। खिड़की से झांका तो बच्ची का शौच का मग अंदर दिखा। संदेह हुआ तो ताला तोड़कर अंदर घुसे। बोरे में लिपटा बच्ची का शव देख सबकी रूह कांप गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने माता-पिता से आरोपी का ब्योरा लिया और फिर फरार आरोपी सलामत की फोटो दिखाई, जिसे पीड़ित माता-पिता ने तुरंत पहचान लिया। रात होते ही सैकड़ों पुलिसकर्मी आरोपी की तलाश में सड़कों पर उतर आए। निजामपुरा थाने की टीम ने इलाके की घेराबंदी की और रातोंरात सलामत को दबोच लिया। बच्ची की मां का दर्द बयां नहीं हो रहा। वह रो-रोकर कहती हैं, 'मेरी बच्ची तो चली गई, लेकिन ऐसे राक्षस को सजा मिलनी चाहिए।' स्थानीय नागरिक और परिजन आरोपी के जल्द से जल्द कड़े दंड की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच जारी है और और भी आरोपियों की संलिप्तता की जांच की जा रही है। अदालत ने आरोपी को 8 अक्टूबर 2025 तक रिमांड पर भेजा है ताकि आगे की पूछताछ और साक्ष्य इकट्ठा किए जा सकें। फिलहाल प्रशासन ने घायलों एवं परिजनों को सहायता उपलब्ध कराने और इलाके में सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिये हैं।

हॉलमार्क ज्वेलरी बताकर 28 लाख रुपये का गोल्ड मॉर्गेज लोन लेकर किया धोखाधड़ी,2 पर केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी के काल्हेर इलाके में एक पुरुष व महिला सहित 2 लोगों ने आपस में मिलकर गोल्ड मॉर्गेज लोन लेने के नाम पर कम कैरेट के सोने को 22 कैरेट का बताकर एक क्रेडिट संस्थान को 28 लाख रुपये का चूना लगाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। इस मामले में दोनों के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार भिवंडी तालुका के काल्हेर इलाके में आधार नागरिक सहकारी क्रेडिट सोसायटी स्थित है।उक्त क्रेडिट सोसायटी से काल्हेर निवासी रितु संदीप सिंह (28) और पूर्णा निवासी राजन रामलोचन शुक्ला (32) ने मॉर्गेज लोन लेने के नाम पर 1 से 6 कैरेट का 134.3 ग्राम वजन वाले सोने के 22 कैरेट का बताकर 8 चूड़ियाँ और 1 सोने की चैन हॉलमार्क सोने के बदले लोन लेने के लिए आधार क्रेडिट सोसायटी में जमा किया था। साथ ही राजन ने दावा किया है कि उसने 23 जुलाई से 20 सितंबर तक आधार क्रेडिट सोसायटी में 455.5 ग्राम वजन के कुल 916 सोने के आभूषण (22 कैरेट) जमा करके आधार क्रेडिट सोसायटी से 28 लाख 30 हजार रुपये का ऋण लिया है।इस बीच, इस मामले में एक अक्टूबर को क्रेडिट संस्था के सीईओ देवीदास रमेश चौधरी (45) की शिकायत पर दोनों के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।जिसकी सूचना मिलने के बाद दोनों फरार हो गए है।जिनकी तलाश पुलिस सरगर्मी से कर रही है।

महाराष्ट्र में साइबर जागरूकता अभियान की शुरुआत, सीएम फडणवीस ने दी डिजिटल सुरक्षा की सीख

मुंबई।शुक्रवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साइबर अपराधों को रोकने और जनता को जागरूक करने के लिए एक साइबर जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस मुख्यालय में की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव इकबाल सिंह चहल, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला, अभिनेता अक्षय कुमार, अभिनेत्री रानी मुखर्जी, आईआईटी मुंबई के प्रोफेसर मंजेश हनवाल भी उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 'अगर एआई के कारण साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, तो इससे निपटने के उपाय भी संभव हैं।' मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राजनीतिक मुद्दों पर भी बयान दिए। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के दशहरा मेला भाषण पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा, 'उद्धव ठाकरे हिंदी में सवाल पूछकर खुद को राष्ट्रीय नेता साबित करना चाहते हैं? क्या वो सच में नेशनल लीडर हैं?' मुख्यमंत्री फडणवीस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 'सीरियल लायर' (लगातार झूठ बोलने वाला) करार देते हुए उनके संविधान और लोकतंत्र संबंधी बयानों को सिरे से खारिज किया।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ संचालित कीः सफाई और स्वच्छता से लेकर जन भागीदारी के साथ जागरूकता तक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने स्वच्छता ही सेवा (एएए) 2025 अभियान के अंतर्गत कई प्रभावशाली गतिविधियाँ सक्रिय रूप से संचालित की, जो स्वच्छता, स्वास्थ्य और यात्री कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सामूहिक श्रमदान

25 सितंबर 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर, 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' विषय पर एक सामूहिक श्रमदान का आयोजन किया गया। सोलापुर रेलवे स्टेशन पर, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक अंशुमाली कुमार ने लगभग 200 स्वयंसेवकों को स्वच्छता शपथ दिलाई, जिसके बाद स्वच्छता अभियान चलाया गया। लगभग 500 मीटर क्षेत्र की सफाई की गई और 800 किलोग्राम कचरा एकत्र किया गया, जिसे बाद में स्थानीय निकायों को सौंप दिया गया। सीनियर डीएमई, सीनियर डीसीएम, सीएमएस सहित अधिकारियों, कर्मचारियों, पर्यवेक्षकों, यात्रियों और स्काउट्स एवं गाइड्स ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसी तरह के अभियान कलबुरगि, पंढरपुर, वाडी, भिगवान, कुर्डुवाडी और मंडल के सभी डिपो में आयोजित किए गए, जहाँ 550 स्वयंसेवकों ने 1.5 टन कचरा एकत्र किया।

स्वच्छ भोजन एवं कीट नियंत्रण अभियान

26 सितंबर 2025 को सोलापुर, वाडी, पंढरपुर और कलबुरगि के कोचिंग डिपो, ट्रेनों और स्टेशन क्षेत्रों में कीट और कृंतक नियंत्रण के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। डिब्बों, प्लेटफार्मों, पिट लाइनों और शेडों में मच्छर रोधी छिड़काव, चूहेदानी और कॉकरोच नियंत्रण उपायों को लागू किया गया। स्वच्छ भोजन पहल के तहत, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक द्वारा सभी स्टेशनों पर पेंट्री कार, फूड प्लाजा, रेस्टोरेंट और स्टॉल का निरीक्षण किया गया। सोलापुर में, ट्रेनों में भोजन की गुणवत्ता की जाँच की गई और दूध सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने परीक्षण के लिए एकत्र किए गए।

स्वच्छ भारत सांस्कृतिक उत्सव

युवा पीढ़ी में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए, 27 सितंबर 2025 को डॉ. कोटनीस मेमोरियल रेलवे अस्पताल और बाल विकास मंदिर, सोलापुर में चित्रकला, नृत्य और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुल 186 बच्चों ने भाग लिया और अपनी रचनात्मकता के माध्यम से स्वच्छता के संदेश को बढ़ावा दिया। सभी प्रतिभागियों को छोटे-छोटे उपहार और जलपान प्रदान किए गए, जबकि अभिभावकों को कचरा पृथक्करण और कॉलोनी की स्वच्छता के बारे में जागरूक किया गया।

शौचालय की सफाई और उन्नयन

मंडल ने 28 सितंबर 2025 को दिव्यांगजनों के अनुकूल सुविधाओं सहित सोलापुर, कलबुरगि, पंढरपुर, वाडी और अन्य स्टेशनों पर सार्वजनिक शौचालयों की गहन सफाई और उन्नयन का कार्य किया। इस अभियान के तहत कोच, मार्ग में चलने वाली ट्रेनें, पिट लाइन और प्लेटफार्मों को भी शामिल किया गया, जिससे यात्रियों के लिए स्वच्छता सुनिश्चित हुई।

इन गतिविधियों का समन्वय श्री जितेंद्र वाघमारे, विजयकुमार खामगांवकर, बी.एस. बिराजदार, कपिल इंगोले, भीमशा मस्के और अन्य की टीम द्वारा किया गया। एएए 2025 के अंतर्गत इन निरंतर प्रयासों के माध्यम से, सोलापुर मंडल ने एक बार फिर अधिकारियों, कर्मचारियों, यात्रियों और व्यापक समुदाय की सक्रिय भागीदारी के साथ, स्वच्छ और स्वस्थ रेलवे वातावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

रेलवे दिवाली त्यौहार 2025 के लिए 30 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा

पुणे-दानापुर-सुपौल एक्सप्रेस संशोधित ट्रेन संख्या के साथ चलेगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलवे आगामी दिवाली त्यौहार सीजन के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 30 अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाएगा।

विवरण नीचे दिया गया हैः

1) एलटीटी-मडगाँव-एलटीटी साप्ताहिक विशेष (6 सेवाएँ)

01003 साप्ताहिक विशेष लोकमान्य तिलक टर्मिनस से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 06.10.2025, 13.10.2025 और 20.10.2025 को सुबह 08.20 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22.40 बजे मडगाँव पहुँचेगी। (3 सेवाएँ)

01004 साप्ताहिक विशेष मडगाँव से प्रत्येक रविवार को दिनांक 05.10.2025, 12.10.2025 और 19.10.2025 को 16.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06.20 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुँचेगी। (3 सेवाएँ)

ठहरावः ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगाँव, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अडवली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, कंकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम और करमाली। संरचनाः एक वातानुकूलित-2 टियर, तीन वातानुकूलित -3 टियर, दो वातानुकूलित -3 टियर इकोनॉमी, 8 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार ।

आरक्षणः विशेष ट्रेन 01003 के लिए बुकिंग दिनांक 04.10.2025 को सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगी।

2) पनवेल-चिपलून-पनवेल अनारक्षित विशेष ट्रेन (24 सेवाएँ)

01159 अनारक्षित विशेष दिनांक 03.10.2025 से 26.10.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार और रविवार को पनवेल से 16.40 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 21.55 बजे चिपलून पहुँचेगी। 01160 अनारक्षित विशेष दिनांक 03.10.2025 से 26.10.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार, शनिवार और रविवार को चिपलून से 11.05 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 16.10 बजे पनवेल पहुँचेगी। ठहरावः सोमाटने, आप्टा, जीते, पेन, कासु, नागोथाने, रोहा, कोलाड, इंदापुर, मानगाँव, गोरेगाँव रोड, वीर, सापे वामने, करंजडी, विनेहेरे, दीवानखावती, कलमबानी बुद्रुक, खेड़ और अंजनी

संरचनाः 8 मेमू कोच।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे ध्यान दें कि उपरोक्त ट्रेनें अनारक्षित रहेंगी और टिकट यूटीएस प्रणाली के माध्यम से सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए लागू सामान्य शुल्क पर बुक किए जा सकते हैं।

विशेष ट्रेनों के ठहराव के विस्तृत समय की जानकारी के लिए कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे इन विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएँ।

पुणे-दानापुर-सुपौल एक्सप्रेस संशोधित ट्रेन संख्या के साथ चलेगीः

ट्रेन संख्या 12149 पुणे-दानापुर-सुपौल एक्सप्रेस, अब दिनांक 4.12.2025 से नई ट्रेन संख्या 11401 के साथ चलेगी।

ट्रेन संख्या 12150 सुपौल-दानापुर-पुणे एक्सप्रेस, अब दिनांक 4.12.2025 से नई ट्रेन संख्या 11402 के साथ चलेगी।

यात्रीगण कृपया इस परिवर्तन पर ध्यान दें।

रविवार को मध्य रेल पर मेगा ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता) । दिनांक 04/05.10.2025 (शनिवार/रविवार रात्रि समय) को भायखला स्टेशन पर डीएसएस पॉइंट के रूपांतरण(कनवर्जन) लॉन्चिंग हेतु विशेष यातायात ब्लॉक

(अ) दिनांक 05.10.2025 को मेगा ब्लॉक

मध्य रेल, मुंबई मंडल दिनांक 05.10.2025 को अपने उपनगरीय खंडों पर विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए निम्नानुसार मेगा ब्लॉक परिचालित करेगाः

माटुंगा-मुलुंड अप और डाउन स्लो लाइनों पर 11.05 बजे से 15.55 बजे तक

10.14 बजे से 15.32 बजे तक सीएसएमटी मुंबई से प्रस्थान करने वाली डाउन स्लो लाइन की सेवाओं को माटुंगा और मुलुंड स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा, जो सायन, कुर्ला, घाटकोपर, विक्रोली, भांडुप और मुलुंड स्टेशनों पर रुकेगी और फिर मुलुंड स्टेशन पर डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएगी और अपने गंतव्य पर 15 मिनट देरी से पहुँचेगी।

ठाणे से सुबह 11.07 बजे से दोपहर 15.51 बजे तक प्रस्थान करने वाली अप स्लो लाइन की सेवाएँ मुलुंड में अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी। मुलुंड और माटुंगा स्टेशनों के बीच, ये सेवाएँ मुलुंड, भांडुप, विक्रोली, घाटकोपर, कुर्ला और सायन स्टेशनों पर रुकेंगी। इसके बाद, माटुंगा स्टेशन पर अप स्लो लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी और अपने गंतव्य पर 15 मिनट देरी से पहुँचेंगी।

हार्बर लाइन एवं ट्रांस हार्बर लाइन

पनवेल और वाशी स्टेशनों के बीच अप और डाउन हार्बर लाइनें (पोर्ट लाइन को छोड़कर) सुबह 11.05 बजे से शाम 16.05 बजे तक

हार्बर लाइन सेक्शन

पनवेल से सुबह 10.33 बजे से दोपहर 15.49 बजे तक सीएसएमटी की ओर प्रस्थान करने वाली अप हार्बर लाइन सेवाएँ और सीएसएमटी से सुबह 9.45 बजे से दोपहर 15.12 बजे तक बेलापुर/पनवेल की ओर प्रस्थान करने वाली डाउन हार्बर लाइन सेवाएँ रद्द रहेंगी।

ट्रांस हार्बर लाइन सेक्शन

ठाणे की ओर जाने वाली अप ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएँ, पनवेल से सुबह 11.02 बजे से दोपहर 15.53 बजे तक प्रस्थान करने वाली सेवाएं और पनवेल की ओर जाने वाली डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएँ, ठाणे से सुबह 10.01 बजे से दोपहर 15.20 बजे तक प्रस्थान करने वाली सेवाएं, रद्द रहेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान सीएसएमटी मुंबई-वाशी सेक्शन पर विशेष ट्रेनें चलाई जाएँगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान ठाणे-वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान पोर्ट लाइन सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

(ब) दिनांक 04/05.10.2025 (शनिवार/रविवार रात्रि समय) को भायखला स्टेशन पर डीएसएस पॉइंट के रूपांतरण(कनवर्जन) लॉन्चिंग हेतु विशेष यातायात ब्लॉक।

आस्ट्रेलिया वनडे : बुमराह-गिल के कार्यभार पर होगी चर्चा, अभिषेक और जायसवाल में से किसे मिलेगा मौका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रोहित शर्मा और विराट कोहली के वनडे क्रिकेट में भविष्य को लेकर चर्चा होगी लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से पर्थ में शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए उनका चयन तय है हालांकि कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए भारतीय टीम में कुछ बदलाव करने होंगे। चयनकर्ता वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे टेस्ट के दौरान वनडे टीम का चयन करेंगे लेकिन घोषणा मैच के बाद हो सकती है।

हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत चोटों के कारण उपलब्ध नहीं होंगे जबकि एशिया कप और उसके तीन दिन के भीतर दो टेस्ट की श्रृंखला खेलने वाले टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को भी ब्रेक की जरूरत है। ऐसे में उन्हें वनडे या टी20 या दोनों से आराम दिया जा सकता है। रोहित और कोहली मार्च में चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेले हैं और उन्होंने पिछले सात महीने में काफी मेहनत की है। कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ शतक

के अलावा आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में सर्वाधिक रन बनाये थे।

वहीं रोहित ने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ विजयी पारी खेली। रोहित को कप्तानी से हटाने का भी कोई कारण नहीं है क्योंकि इस प्रारूप में वह काफी सफल रहे हैं। वह खुद बल्लेबाजी पर फोकस करने के लिए कप्तानी छोड़ना चाहें तो बात अलग है। दोनों टेस्ट और वनडे से रिटायर हो चुके हैं और सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलते हैं। दक्षिण अफ्रीका में 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप को देखते हुए उनके भविष्य पर भी बात होगी।

बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार इस सत्र में सिर्फ छह वनडे खेले जाने हैं जिनमें तीन आस्ट्रेलिया में और तीन न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत में होंगे लिहाजा ठोस फैसला हड़बड़ी में नहीं लिया जा सकता। इस समय प्राथमिकता अगले साल भारत में होने वाला टी20 विश्व कप और 2025 में घरेलू टेस्ट से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अधिकतम अंक लेना होगा। टीम में कोहली और रोहित के रहने का संकेत वनडे श्रृंखला के लिए प्रसारक जियो हॉटस्टार के प्रोमो से भी मिला है जिसमें इन दोनों के पोट्रेट दिखाये गए हैं।

बुमराह की बात करें तो उनकी विश्व चैम्पियन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दोनों टेस्ट में जरूरत है भले ही मेडिकल टीम या खुद बुमराह वेस्टइंडीज के खिलाफ दिल्ली टेस्ट नहीं खेलने का फैसला लें, जो कि अभी अस्पष्ट है। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने कहा था कि बुमराह ने खुद वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों टेस्ट खेलने की इच्छा जताई है।

एशिया कप और अब दो टेस्ट खेलने के बाद अगली टेस्ट श्रृंखला तीन सप्ताह बाद है और फिर टी20 विश्व कप से पहले टी20 श्रृंखला। ऐसे में बुमराह को अत्यधिक यात्रा से बचाने के लिए आस्ट्रेलिया दौरे से ब्रेक दिया जा सकता है। पंड्या वनडे श्रृंखला तक फिट नहीं होंगे और ऐसे में नितीश कुमार रेड्डी को मौका मिल सकता है। दूसरा विकल्प शिवम दुबे है लेकिन आस्ट्रेलियाई हालात में उनकी गेंदबाजी की परीक्षा नहीं हुई है।

ध्रुव जुरेल का पहला टेस्ट शतक, बने भारत के 12वें विकेटकीपर शतकवीर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ध्रुव जुरेल ने अपने करियर का पहला टेस्ट शतक लगाकर इतिहास रच दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट के दूसरे दिन 24 वर्षीय जुरेल 99 रन पर थे, लेकिन दबाव को दरकिनार करते हुए उन्होंने रोस्टन चेज़ की गेंद पर चौका जड़कर यह उपलब्धि हासिल की।

जुरेल भारत के लिए टेस्ट में शतक लगाने वाले 12वें विकेटकीपर बने। वह विजय मांजरेकर, फारुख इंजीनियर, अजय रात्रा और रिद्धिमान साहा जैसी हस्तियों की सूची में शामिल हो गए। वेस्टइंडीज के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह सिर्फ पांचवें भारतीय विकेटकीपर हैं। 2025 में यह किसी भारतीय विकेटकीपर का तीसरा शतक है, जो एक कैलेंडर वर्ष में भारत की ओर से विकेटकीपरों द्वारा सर्वाधिक है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 2013 में दक्षिण अफ्रीका के पास था, जिसने एक वर्ष में चार शतक देखे थे।

जुरेल ने चौका मारकर शतक पूरा करने के बाद बल्ला घुमाकर अनोखे अंदाज़ में जश्न मनाया। स्टेडियम में दर्शक खड़े होकर उनकी पारी की सराहना कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने स्वीप, कट और ड्राइव के साथ तेज़ बल्लेबाजी की और एक शानदार छक्का भी लगाया।

पश्चिम रेलवे

रोबोटिक डक्ट सफाई कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई 400013, ई-निविदा सूचना संख्याः EL90/MX/2025-26/08, दिनांक 27.09.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** महालक्ष्मी ईएमयू कार्यशाला में कार्य के दायरे के अनुसार, मुंबई उपनगरीय क्षेत्र में चलने वाले ईएमयू कोचों में वेंटिलेशन इकाइयों की रोबोटिक डक्ट सफाई और ओजोन द्वारा स्टरलाइज़ेशन। **कार्य की अनुमानित लागतः** 1,27,44,922.15/-। **बयाना राशिः** 2,13,700/-। **निविदा जमा करने और निविदा खोलने की तिथि और समयः** 24.10.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक (इलेक्ट्रॉनिक रूप से)। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0668

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

ट्विंकल खन्ना ने साझा किया ऋषि कपूर से जुड़ा मजेदार किस्सा, सुनकर हैरान रह गई आलिया भट्ट

मुंबई। ट्विंकल खन्ना ने हाल ही में अपने टॉक शो 'टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल' के एक एपिसोड में दिवंगत दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर से जुड़ा एक अजीबोगरीब लेकिन हल्का-फुल्का किस्सा साझा किया है, जिसने इंटरनेट पर सुर्खियां बटोरी हैं। इस एपिसोड में आलिया भट्ट और वरुण धवन विशेष अतिथि थे। ट्विंकल ने खुलासा किया कि सालों पहले ऋषि कपूर के एक मासूम से जन्मदिन के ट्वीट के कारण सोशल मीडिया यूजर्स ने यह मान लिया था कि वह उनकी नाजायज बेटी हैं। यह गलतफहमी कपूर के एक अजीबोगरीब मैसेज से पैदा हुई, जिसमें उन्होंने ट्विंकल की मां डिंपल कपाड़िया के साथ उनकी गर्भावस्था के दौरान फिल्मांकन की यादें ताजा की थीं। ट्विंकल ने मजाकिया लहजे में याद करते हुए कहा, 'मैं

आलिया के ससुर (ऋषि कपूर) की वजह से लगभग कपूर बन ही गई थी। मेरे जन्मदिन पर, उन्होंने बड़ी उदारता से ट्वीट किया, 'ओह, तुम्हें पता है... जब तुम अपनी मां के पेट में थीं, तो मैंने उनके लिए गीत गाए थे।' और इसलिए, सभी को लगा कि मैं उनकी नाजायज बेटी हूं।'

इस मजाकिया गलतफहमी ने इंटरनेट पर तेजी से तूल पकड़ा, जिसके बाद ऋषि कपूर को खुद आगे आकर सफाई देनी पड़ी। बाद में उन्होंने माफी मांगते हुए ट्वीट किया और पूरा मामला समझायाः 'जन्मदिन मुबारक हो, प्यारी! 1973 में जब मैं 'बॉबी' में तुम्हारी मां को गाना गा रहा था, तब तुम उनके पेट में थीं, हाहा।'

शो के दौरान, जब ट्विंकल यह किस्सा सुना रही थीं, तो काजोल ने आलिया भट्ट के अजीब हाव-भाव की ओर इशारा किया। इस पर ट्विंकल ने हंसते हुए कहा, 'मैं तुम्हारी भाभी नहीं हूं; यह एक गलती थी।' वरुण धवन ने भी मजाक करते हुए कहा कि आलिया को समझ नहीं आ रहा कि कैसे रिएक्ट किया जाए।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सहायक आयुक्त 'एस' वार्ड
ए.ई./एसडब्ल्यूएम/8458/एस दिनांक 03.10.2025

ईओएल सूचना

एस वार्ड में दैनिक आधार पर सफाई/झाड़ू लगाने हेतु स्थानीय एनजीओ संस्था की नियुक्ति हेतु इस क्षेत्र में अनुभवी और स्थानीय संस्थाओं से ईओआई के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक संस्थाएँ निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आवेदन जमा कर सकती हैं। (फॉर्म की जाँच शुल्क 363 रुपये ₹ 18₹ जीएसटी है)

ईओआई दस्तावेज़ में योग्यता मानदंड, जमा करने की आवश्यकताएँ, संक्षिप्त उद्देश्य और कार्य का दायरा आदि का विवरण नीचे दिए गए पते पर उपलब्ध है।

सहायक आयुक्त कार्यालय, एस वार्ड
चौथी मंजिल, एलबीएस मार्ग
मंगतराम पेट्रोल पंप के पास,
भांडुप (पश्चिम), मुंबई-400076।
दूरभाषः 022 25947570

ईओआई आवेदन स्वीकार करने की अंतिम तिथि 11.10.2025 (दोपहर 01:00 बजे) है। कृपया ध्यान दें कि इस तिथि के बाद किसी भी रूप में कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

सहायक इंजीनियर (एसडब्ल्यूएम)
'एस' वार्ड

पीआरओ/1796/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

महिला विश्व कप : इंग्लैंड की धमाकेदार शुरूआत
द. अफ्रीका को 69 रन पर ढेर कर दर्ज की बड़ी जीत

गुवाहाटी। लिंसे स्मिथ की अगुवाई में स्पिनरों के अथक प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका को 10 विकेट से हराकर आईसीसी महिला विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। स्मिथ की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका को महज 69 रनों पर ढेर कर दिया जिसके बाद मैच का नतीजा लगभग तय था। स्मिथ ने इस मैच में 7 रन देकर 3 विकेट लिए।

इंग्लैंड ने सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स (40) और टैमी ब्यूमोंट (21) की बदौलत बिना किसी परेशानी के महज 14.1 ओवर में जीत हासिल कर ली। दक्षिण अफ्रीका की पारी की तरह गेंदबाजों ने भी थोड़ी स्विंग और धार दिखाई, लेकिन इंग्लैंड की बल्लेबाज कोई भी नई पारी खेलने के मूड में नहीं थीं। अनुभवी तेज गेंदबाज मारिजैन कैप ने ब्यूमोंट को कुछ बेहतरीन गेंदबाज़ी की, लेकिन इतने अकेले गेंदबाजों के दम पर इस लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सकता था।

इंग्लैंड के स्पिनर स्मिथ, सोफी एक्लेस्टोन (2/19) और चार्ली डीन (2/14) - असली हीरो साबित हुई जिन्होंने

अपने बल्लेबाजों के लिए लक्ष्य का अविश्वसनीय रूप से आसान पीछा तैयार किया। बाएं हाथ की स्पिनर स्मिथ ने तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को आईसीसी महिला विश्व कप में अपने दूसरे सबसे कम स्कोर पर समेट दिया।

गेंदबाजों की पकड़ वाली पिच पर इंग्लैंड ने, जिसने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, दूसरे ओवर में ही स्मिथ (4-2-7-3) को गेंद थमा दी और इस कदम का तुरंत फायदा हुआ। स्मिथ ने दूसरे ओवर की दूसरी ही गेंद पर एक आसान रिटर्न कैच लपककर दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट को आउट कर दिया। स्मिथ ने चौथे ओवर में वापसी करते हुए ताजमिन ब्रिट्स को एक कोण से आती हुई गेंद पर आउट किया और छठे ओवर में उन्होंने अनुभवी कप्प को आउट कर दिया। कप्प का आगे की ओर किया गया प्रयास गेंद तक नहीं पहुंच पाया और स्मिथ की गेंद स्टंप्स पर जा लगी। तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने सुने लुस को आउट किया और दक्षिण अफ्रीका पहले छह ओवरों में ही 19 रन पर चार विकेट खोकर लड़खड़ा रहा था, और वे उस स्थिति से कभी उबर नहीं पाए। दक्षिण अफ्रीका की कैप, लूक और ब्रिट के आउट होने के बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने का पूरा दबाव था। लेकिन वे इस चुनौती को पूरा नहीं कर पाए।

पश्चिम रेलवे

विद्युत कार्य

वरिष्ठ डीईई/पी/बीसीटी, मुंबई सेंट्रल, निविदा सूचना संख्याः EL-81-924-WA-46, दिनांक 01.10.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य और स्थानः जोरवासन - सूरत** एडीईएन-सूरत के अधिकार क्षेत्र में, सर्विस रोड उपयोगकर्ताओं को असामान्यता से बचाने के लिए पहुँच दीवार को ऊँचा करने, बाएँ हाथ की सड़क संख्या 120, 121 और 122 पर पंप रूम, क्रॉस ड्रेन आदि प्रदान करने से संबंधित विद्युत (विद्युत) कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** 16,25,962/- **बयाना राशिः** 32,500/- **जमा करने की तिथि और समयः** 28.10.2025, 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समयः** 28.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0674

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

यूरोपा लीग : रोमा ने तीन बार पेनल्टी गंवाई, लिली ने 1-0 से हराया

रोम। रोमा ने मैच के आखिर मिनटों में पेनल्टी स्पॉट से लगातार तीन प्रयास गंवा दिए जिससे लिली ने यूरोपा लीग फुटबॉल में इटली की इस क्लब को 1-0 से हरा दिया। रोमा को मुकाबले में बराबरी करने के लिए स्पॉट से तीन मौके दिये गये लेकिन आर्टेम डोवबिक

के शुरुआती दो प्रयास पर गोलकीपर बर्क ओजर ने शानदार बचाव किया। रेफरी ने गोल पोस्ट के पास अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी के कारण फिर से पेनल्टी का आदेश दिया। रोमा ने इस बार पेनल्टी लेने के लिए माटियास सोले को चुना लेकिन ओजर ने उनके प्रयास को भी विफल कर दिया। इससे पहले मैच के छठे मिनट में हाकोन अर्नार हेराल्डसन ने गोल कर फ्रांस की इस टीम का खाता खोला। लिली की यह दो मैचों में लगातार दूसरी जीत है।

अन्य मैचों में ब्रागा ने सेल्टिक और रीयाल बेटिस ने लुडोगोरेट्स को एक समान 2-0 से हराया। केरेम अकतुर्कोग्लू के दो गोल की मदद से फेनरबाचे ने नीस पर 2-1 से जीत दर्ज की। गो अहेड ईगल्स ने इसी अंतर से पैनाथिनाइकोस को हराया। टीम के लिए दोनों गोल मिलान स्मिट ने किये। चेक रिपब्लिक क्लब विक्टोरिया प्लजेन ने स्वीडिश क्लब माल्मो पर 3-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की।

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री आपूर्ति

ई-खरीद निविदा सूचना संख्याः एस/64/2025, दिनांक 30.09.2025

अ.क्र.	वस्तु का संक्षिप्त विवरण	मात्रा	टी.ओ.डी
569	रेडिएटर फ़ैन मोटर	58 Nos	27-Oct-25
570	PTFE प्रकार का छोटा न्यूट्रल सेक्शन	33 Set	28-Oct-25
571	निरंतर संपर्क पॉलीयूरेथेन के लिए शीर्ष आवरण	12699 Nos	28-Oct-25
572	एकल स्लाइडिंग दरवाज़ा	480 Set	28-Oct-25
573	LHB कोचों के WSP सिस्टम के लिए सर्किट बोर्ड MB 04B	66 Nos	29-Oct-25
574	बेयरिंग शील्ड (साइड) डएंड शील्ड.	35 Nos	31-Oct-25
575	सुरक्षात्मक रिले का सेट	80 Set 80 Nos	03-Nov-25
576	सस्पेंशन ट्यूब और उसके संयोजन घटक	480 Set	05-Nov-25
577	वैक्यूम सर्किट ब्रेकर	80 Nos	06-Nov-25
578	कंटेनर फ्लैट वैगन के लिए लोड सेंसिंग डिवाइस	1825 Nos	12-Nov-25
579	वातानुकूलित EMU रेकों में अलार्म सिस्टम के साथ स्वचालित धुआँ/आग का पता लगाने की प्रणाली का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण	17 Nos	13-Nov-25

विस्तृत सूचना ईएमडी, खरीद प्रतिबंध और विस्तृत निविदा शर्तों के लिए, कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in और wr.indianrailways.gov.in देखें।

0672

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

महाराष्ट्र शासन
इलाखा शहर विभाग, (सा.बां.)

ई-निविदा सुचना क्र. ४९ सन २०२५-२०२६

कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई (दुरध्वनी क्रमांक-२२०१६९७५ / २२०१६९७७) महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिक बांधकाम खात्याकडे योग्य वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून खालील कामाकरीता ब-१ नमुन्यातील निविदा ई निविदा प्रणालीव्दारे (ऑनलाईन) मागवित आहेत. निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित रक्कम रू. लक्ष
१.	चर्चगेट मुंबई येथील सागर इमारत रुम नं. १५ येथे दरवाजा, खिडक्या, स्टोरेज युनिट, प्रसाधनगृह, किचन कट्टा, ट्राली, प्लास्टर, रंगकाम व नुतनीकरण करणे.	९.२८
२.	चर्चगेट मुंबई येथील आसावरी १०३ येथे रंगकाम व दुरुस्ती करणे.	१२.३५
३.	नविन विधानभवन मुंबई येथील टॉवर व डोम इमारत तळमजला ते २० मजल्यावरील मंत्री चेंबर, कॅबिन, पॅसेज, जिना इ. अंतर्गत प्लास्टर करणे.	१९.८९
४.	चनी रोड मुंबई येथील जुनी प्रेस इमारत येथे वार्षिक देखभाल व दुरूस्ती करणे.	१९.११
५.	जुने जकात घर मुंबई येथील सर्व मजल्यावरील व आवारातील ऑफिसर नेम प्लेट ब्रास, डिपार्टमेंट नेम बोर्ड, इंफॉरमेशन बोर्ड, बिल्डींग नेम इ.ची दुरूस्ती करणे.	२७.६३
६.	कारवार स्ट्रीट पोलीस लाईन क्वाटर्स मुंबई येथील रिगिट ट्रिमिक्स ट्रिटमेंट चे दुरुस्ती व नुतनीकरण करणे.	२४.०८
७.	चर्चगेट मुंबई येथील यशोधन इमारत व कुलाबा पोलीस लाईन येथे वार्षिक	४५.७१
८.	पी. डीमेलो रोड मुंबई येथील कमांडे व कांस्टेबल क्वाटर्स इमारत येथील प्लास्टर, मजबुतीकरण, पॉलीमर मोर्टर, ५ कोट पेंट, व टेरेसवर वॉटर प्रुफींग इ. दुरुस्ती व नुतनीकरण करणे.	२४.८३
९.	बेलहेवन इमारत मुंबई येथील फ्लॅट नं. २४ येथे प्लास्टर, वॉल टाईल्स, पॉलीमर मोर्टर, दरवाजा, खिडक्या, प्रसाधनगृह, रंगकाम व दुरूस्ती करणे.	१९.५२
१०.	एशियाटीक लायब्ररी इमारत मुंबई येथील महाराष्ट्र स्टेट महीला कॅसिल कार्यालय तळ मजल्यावरील प्लास्टर, रंगकाम, फ्लोरींग, प्रसाधनगृह, दरवाजा, खिडक्या इ. दुरुस्ती करणे.	१९.७५
११.	महापालिका मार्ग मुंबई येथील चिक मेट्रोपॉलिटन मॅजेस्टीक कोर्ट इमारत येथे विविध पार्टीशन व अलाईड कामे व दुरुस्ती करणे.	९.३८
१२.	बेलहेवन इमारत मुंबई येथील फ्लॅट नं. ३ येथे प्रसाधनगृह, बाथ, दरवाजा, खिडक्या, प्लास्टर, रंगकाम, फ्लोरींग इ. दुरूस्ती व नुतनीकरण करणे.	१७.९९
१३.	नविन विधानभवन मुंबई येथील डोम व टॉवर इमारत फ्लोरींग कार्यालय वरांडा, पॅसेच, पॅनलिंग, दरवाजा, खिडक्या, विविध कार्यालय, ग्रील गेट इ. नुतनीकरण करणे.	२१.४२
१४.	मंत्रालय मुंबई विस्तार इमारत ६ मजल्यावरील परिषद सभागृह येथे फॉल्स सिलींग, रॉयल पेंट, मेलामाईन पॉलिश, बुडन कारपेट, रोलर ब्लाइंड, ऑडीटोरीमम चेअर इ. नुतनीकरण करणे.	२८.०४
१५.	चर्चगेट मुंबई येथे आसावरी इमारत रुम नं. ७०३ येथे दुरुस्ती करणे.	११.८१
१६.	चर्नी रोड मुंबई येथील नविन प्रेस इमारत येथे वार्षिक देखभाल दुरुस्ती करणे.	४३.१२
१७.	चर्चगेट मुंबई येथील सागर इमारत रुम नं. ३८ येथे दरवाजा, खिडक्या, स्टोरेज युनिट, प्रसाधनगृह, किचन कट्टा, ट्राली, प्लास्टर, रंगकाम व नुतनीकरण करणे.	९.५१
१८.	एन. सी. सी. इमारत मुंबई येथील दरवाजा, खिडक्या, लाकडी वस्तू, सॅनिटरी, फिटींग, प्लंबिंग, रंगकाम, प्लास्टर, व वार्षिक देखभाल व दुरूस्ती करणे.	१०.६६
१९.	विस्तारीत आमदार निवास मुंबई येथील आमदार रूम, प्रसाधनगृह, दरवाजा, खिडक्या, लाकडी वस्तू, सॅनिटरी, फिटींग, प्लंबिंग, रंगकाम, नुतनीकरण व दुरूस्ती करणे.	६५.२८
२०.	अल्टामाऊंट रोड कुंबाला हिल मुंबई फ्लॅट नं. ५३ जुपिटर अपार्टमेंट इंडियन ऑडिट व अकाऊंट विभाग येथे पॉलिमर मोर्टर, फ्लोरींग, डॅडो, किचन इ. रंगकाम, दुरूस्ती व नुतनीकरण करणे.	२५.२६

ई-निविदा उपलब्ध कालावधी दि. ६.१०.२०२५ ते दि. १३.१०.२०२५ पर्यंत.
ई-निविदा उघडणे दि. १४.१०.२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजता
निविदा सुचने मध्ये काही बदल/सुधारणा करावयाची असल्याचे शुध्दीपत्रक वृत्तपत्रामध्ये प्रसिध्द करण्यात येणार नाही. त्याबत सर्व बदल ऑनलाईन निविदा प्रक्रियेमध्ये प्रसिध्द केले जाईल.
खालील संकेतस्थळावरुन ई-निविदाची सर्व माहीती उपलब्ध आहे.
१) www.mahapwd.com
२) http://mahatenders.gov.in

जा.क्रं. इशवि/निलि/ १०१७९
कार्यकारी अभियंता
इलाखा शहर विभाग, मुंबई यांचे कार्यालय,
सार्वजनिक बांधकाम विभाग,
२ रा मजला, बांधकाम भवन,
२५ मर्झबान रोड, फोर्ट,
मुंबई- ४०० ००१.
Email: presidency.ee@mahapwd.gov.in
दिनांक: ३०.०९.२०२५

(व्ही. ए. पाटसकर)
कार्यकारी अभियंता,
इलाखा शहर विभाग, मुंबई.

DGIPR/2025-26/2914

आईआरसीटीसी द्वारा भारत गौरव पर्यटक रेल के माध्यम से 'श्री रामेश्वरम-तिरुपति दक्षिण दर्शन यात्रा'

नई दिल्ली।भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड, जो कि रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम है, ने एक विशेष धार्मिक पर्यटन पैकेज 'रामेश्वरम-तिरुपति दक्षिण दर्शन यात्रा' की घोषणा की है। यह विशेष 10 दिवसीय यात्रा भारत गौरव पर्यटक रेल के माध्यम से कराई जाएगी, जो श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों का दर्शन कराएगी। यह यात्रा 7 नवम्बर 2025 को नाशिक से आरंभ होकर 16 नवम्बर 2025 को समाप्त होगी।

यात्रा के प्रमुख दर्शनीय स्थलः
तिरुपति - लार्ड वेंकटेश्वरन स्वामी मंदिरगोद एवं उद्ो पदमावती मंदिर
रामेश्वरम - रामनाथस्वामी मंदिर एवं धनुष्कोडी
मदुरै - मीनाक्षी मंदिर
कन्याकुमारी - विवेकानंद रॉक मेमोरियल, गांधी मंडपम एवं कन्याकुमारी मंदिर
तिरुवनंतपुरम - पद्मनाभस्वामी मंदिर एवं कोवलम बीच

यात्रा पैकेज शुल्क (प्रति यात्री)ः

श्रेणी	वयस्क	बालक (5-11 वर्ष)
इकोनॉमी (स्लीपर क्लास)	18,040	16,890
स्टैंडर्ड (3AC)	30,370	29,010
कम्फर्ट (2AC)	40,240	38,610

नोटः तिरुपति बालाजी मंदिर के दर्शन हेतु दर्शन टिकट श्रद्धालुओं को स्वयं ऑनलाइन बुक करने होंगे।
बोर्डिंग/डी-बोर्डिंग स्टेशनः नासिक, देवलाली, इगतपुरी, कल्याण, कर्जत, लोनावाला, पुणे, दौंड, कुर्डुवाड़ी, सोलापुर, कलबुर्गी

पैकेज में सम्मिलित सुविधाएँः श्रेणी अनुसार रेल यात्रा (SL / 3AC / 2AC),एसी/नॉन-एसी बजट होटलों में ठहराव शाकाहारी भोजन (ऑनबोर्ड व ऑफबोर्ड), एसी/नॉन-एसी बस द्वारा स्थानीय भ्रमण,चयनित स्थानों पर वॉश एंड चेंज सुविधा

यह पैकेज श्रद्धालुओं व पर्यटकों को एक ही यात्रा में सुविधाजनक, सुलभ और आत्मिक रूप से संतोषजनक अनुभव प्रदान करता है, जिसमें यात्रा, आवास, भोजन एवं दर्शनीय स्थल भ्रमण की सुविधा शामिल है।

बुकिंग एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः वेबसाइटः www.irctctourism.com, कॉल/व्हाट्सऐपः 8287931886

भूगोल से मिटा देंगे, अब संयम नहीं होगा, पाकिस्तान को सेना प्रमुख की सीधी धमकी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसे वैश्विक मानचित्र पर बने रहना है, तो उसे भारत में आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करना होगा। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि भारतीय सशस्त्र बल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिखाए गए संयम को अब और नहीं दिखाएंगे, जिससे इस बार ज़्यादा निर्णायक और सशक्त प्रतिक्रिया का संकेत मिलता है। इस बार हम ऑपरेशन सिंदूर 1.0 जैसा संयम नहीं रखेंगे। इस बार हम कुछ ऐसा करेंगे कि पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि वो भूगोल में रहना चाहता है या नहीं। अगर पाकिस्तान भूगोल में रहना चाहता है, तो उसे राज्य प्रायोजित आतंकवाद रोकना होगा।

जनरल द्विवेदी ने सैनिकों की सैन्य तैयारियों का आकलन करने के लिए बीकानेर सैन्य स्टेशन सहित अग्रिम क्षेत्रों का दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, पूर्व सैनिकों, गणमान्य नागरिकों और सैनिकों से मुलाकात की। उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण, युद्ध तैयारियों में सुधार, तकनीकी क्षमताओं को उन्नत करने और सैन्य उत्कृष्टता बनाए रखने की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया। सेना प्रमुख ने राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए पूर्व सैनिकों लेफ्टिनेंट कर्नल हेम सिंह शेखावत (सेवानिवृत्त), लेफ्टिनेंट कर्नल बीरबल बिश्नोई (सेवानिवृत्त), रिसालदार भंवर सिंह (सेवानिवृत्त) और हवलदार नखत सिंह (सेवानिवृत्त) को भी सम्मानित किया।

वायुसेना दिवस से पहले, एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना करते हुए इसे दुनिया के लिए एक मिसाल बताया। प्रेस वार्ता के दौरान, उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारतीय वायुसेना ने अपनी लड़ाकू क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के उद्देश्य से 2047 का रोडमैप तैयार किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलते हुए, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह तीनों सशस्त्र सेनाओं के बीच प्रभावी समन्वय का प्रदर्शन करता है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने इतिहास रच दिया है क्योंकि भारतीय सेना ने लगभग 300 किलोमीटर दूर स्थित लक्ष्यों पर सफलतापूर्वक प्रहार किया। उन्नत 'सुदर्शन चक्र' प्रणाली पर भी काम चल रहा है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और जापान के मंत्री महामहिम हिरोमासा नाकानो का सूरत हाई-स्पीड रेल परियोजना स्थल का दौरा

नई दिल्ली। जापान के भूमि, आधारभूत संरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री महामहिम हिरोमासा नाकानो आज सूरत हवाईअड्डे पहुँचे, जहाँ उनका पारंपरिक गरबा से स्वागत किया गया।
रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महामहिम हिरोमासा नाकानो के साथ सूरत हाई-स्पीड रेल निर्माण स्थल का दौरा किया।
दोनों मंत्रियों ने परियोजना के महत्वपूर्ण हिस्सों की समीक्षा की, जिनमें ट्रैक स्लैब लेयिंग कार और ट्रैक स्लैब एडजस्टमेंट फैसिलिटी शामिल थे।
दोनों मंत्रियों ने काम की गुणवत्ता और गति पर संतोष व्यक्त किया और निर्माण की तेजी की सराहना की।
यह दौरा भारत और जापान के बीच भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को आगे बढ़ाने में मजबूत सहयोग को दर्शाता है।

कैश ऑन डिलीवरी पर एक्सट्रा चार्ज पर जांच शुरू, ग्राहकों से ठगी पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्र सरकार अब अमेज़न, फ्लिपकार्ट और अन्य ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों की सीओडी (कैश ऑन डिलीवरी) पर लगाई जाने वाली अतिरिक्त फीस की जांच कर रही है। सरकार यह देख रही है कि क्या कंपनियां ग्राहकों को प्रीपेड भुगतान के लिए मजबूर कर रही हैं और अगर ऑर्डर कैंसल हो जाए तो रिफंड में देरी या रुकावट क्यों हो रही है।

मंत्रालय उपभोक्ता शिकायतों की समीक्षा कर रहा है और जल्द ही ई-कॉमर्स कंपनियों, उपभोक्ता अधिकार संगठनों और उद्योग समूहों के साथ बातचीत करेगा ताकि ग्राहकों के अधिकार और कंपनियों की जरूरतों में संतुलन बनाया जा सके। वर्तमान में अमेजन सीओडी पर 7-10 रुपए चार्ज करता है, जबकि फ्लिपकार्ट और फर्स्टक्राई 10 रुपए अतिरिक्त लेते हैं।

फरवरी 2024 में 25 राज्यों के 35, 000 ग्राहकों पर किए सर्वे के अनुसार, 65इ ग्राहकों ने अपनी आखिरी ऑनलाइन खरीदारी में सीओडी का विकल्प चुना था। खासकर कम आय वाले परिवारों में डिलीवरी के बाद भुगतान करना अधिक लोकप्रिय है। खासकर फैशन और कपड़ों की खरीदारी में सीओडी सबसे ज्यादा लोकप्रिय है, जिन परिवारों की सालाना आय 3.6 लाख रुपए से कम है, वे डिलीवरी के बाद पेमेंट करना ज्यादा पसंद करते हैं। भारत का ई-कॉमर्स बाजार वर्तमान में 160 बिलियन डॉलर का है और 2030 तक 345 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। बढ़ते बाजार और ऑनलाइन धोखाधड़ी की आशंका को देखते हुए सरकार इस मामले में सख्ती कर रही है। इंडस्ट्री का कहना है कि सीओडी पर फीस का उद्देश्य बार-बार ऑर्डर कैंसल होने से रोकना है, जबकि उपभोक्ता संगठन इसे ग्राहकों के लिए परेशानी और उनके पैसे के ब्लॉक होने के रूप में देखते हैं।

अमेरिका के सबसे बड़े दुश्मन के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप ने सशस्त्र युद्ध का कर दिया ऐलान, गोपनीय दस्तावेज़ में खुलासा

वाशिंगटन। अमेरिका के सबसे बड़े दुश्मन -ड्रग कार्टेल- के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सशस्त्र युद्ध का ऐलान कर दिया है। एक गोपनीय दस्तावेज़ में खुलासा हुआ है कि ट्रंप ने ड्रग तस्करों को 'गैरकानूनी योद्धा' बताते हुए पेंटागन को निर्देश दिए हैं कि वे इन कार्टेल्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। इस रणनीति के तहत कैरेबियन सागर में पहले ही तीन ड्रग तस्करों वाली नावों पर हमले किए जा चुके हैं, जिससे राजनीतिक और कानूनी विवाद भी छिड़ गए हैं।

वाशिंगटन से आई खबर के मुताबिक, यह घोषणा कैरेबियन सागर में अमेरिकी सेना के हाल के हमलों के बाद आई है, जहां ड्रग तस्करों के तीन नावों को निशाना बनाया गया। इनमें से दो नावें वेनेजुएला से थीं, जिन पर अमेरिकी सेना ने गोलियां चलाईं और कई लोगों की मौत हुई। ट्रंप ने इन हमलों को आत्मरक्षा का एक जरूरी कदम बताया और कहा कि यह ड्रग्स की तस्करी को रोकने के लिए किया गया सैन्य अभियान है।

हालांकि, इस 'ड्रग्स के खिलाफ युद्ध' ने अमेरिका के अंदर कानूनी और राजनीतिक विवाद भी खड़ा कर दिया है। कई सांसदों का कहना है कि ऐसी सशस्त्र कार्रवाई के लिए पहले कांग्रेस की मंजूरी लेना जरूरी था। वहीं, पेंटागन ने सीनेट को हमलों की जानकारी दी, लेकिन यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कौन-कौन से कार्टेल निशाने पर हैं, जिससे राजनीतिक हलकों में नाराजगी फैल गई है।

ट्रंप ने मैक्सिकन गैंग्स और वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ जैसे कार्टेल्स को आतंकी संगठन घोषित किया है और कहा है कि ये गैंग पश्चिमी गोलार्ध में ड्रग तस्करी कर अमेरिका को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। राष्ट्रपति की इस नई रणनीति से स्पष्ट है कि ड्रग्स के खिलाफ अमेरिकी लड़ाई अब सिर्फ कानून या पुलिस की कार्रवाई नहीं बल्कि सैन्य और सशस्त्र संघर्ष का रूप लेने जा रही है।

ट्रंप का यह कदम 'अमेरिका फर्स्ट' के एजेंडे के तहत विदेशों में सैन्य हस्तक्षेप से दूरी बनाने के बावजूद अब एक नए युद्ध की शुरुआत की तरह दिखता है, जिसने देश में राजनीतिक बहस और कानूनी सवालों को जन्म दिया है। अमेरिकी प्रशासन की यह रणनीति ड्रग तस्करी के खिलाफ कड़े कदम उठाने के उद्देश्य से है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता और कानूनी वैधता अभी विवादों में है।

जर्मनी में हुए अचानक ड्रोन अटैक से मचा हड़कंप म्यूनिख एयरपोर्ट बंद, 17 उड़ानें रद्द, 3000 यात्री फंसे

बर्लिन। जर्मनी के दूसरे सबसे व्यस्त हवाई अड्डे म्यूनिख एयरपोर्ट को आज एक ड्रोन देखे जाने के कारण अचानक बंद करना पड़ा। इस घटना से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। एयरपोर्ट प्रशासन के मुताबिक इस सुरक्षा चूक के कारण 17 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं जबकि करीब 3, 000 यात्री हवाई अड्डे पर फंस गए।

यह घटना ऐसे समय हुई जब म्यूनिख एयरपोर्ट ने इस साल के पहले छह महीनों में लगभग 2 करोड़ यात्रियों को संभाला है। अचानक हुई इस रुकावट से पूरी एयरलाइंस व्यवस्था प्रभावित हुई। कुल 17 फ्लाइट्स रद्द की गईं। 15 फ्लाइट्स को जर्मनी के अन्य एयरपोर्ट्स (स्टटगार्ट, नूर्नबर्ग, फ्रैंकफर्ट) और पड़ोसी देश ऑस्ट्रिया के विएना एयरपोर्ट पर डायवर्ट करना पड़ा। एयरपोर्ट अधिकारियों ने कहा कि हालात काबू में हैं और सुबह 5 बजे से संचालन फिर से शुरू कर दिया

जाएगा। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल के दिनों में यूरोप के कई नाटो देशों में अज्ञात ड्रोन देखे जाने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। पिछले हफ्ते ही डेनमार्क और पोलैंड के हवाई क्षेत्र में भी ड्रोन देखे गए थे जिससे हवाई यातायात घंटों बाधित रहा था।

ड्रोन घटनाओं को लेकर यूरोपीय संघ के नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुई। यहां इन घटनाओं के पीछे रूस का हाथ होने की आशंका जताई गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कहा कि ये घटनाएं रूस की चुनौती का हिस्सा हो सकती हैं। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन ने सीधा आरोप तो नहीं लगाया लेकिन इशारों में रूस की ओर उंगली उठाते हुए कहा कि 'यूरोप को अब अपनी सुरक्षा खुद मजबूत करनी होगी। हमें न सिर्फ ड्रोन बनाने की क्षमता बढ़ानी है बल्कि एंटी-ड्रोन सिस्टम भी तैयार करने होंगे।' पिछले हफ्ते डेनमार्क में कई एयरपोर्ट्स पर ड्रोन दिखने के बाद वहां सभी नागरिक ड्रोन उड़ानों पर रोक लगा दी गई थी। इसका मतलब है कि यूरोप की पूर्वी सीमाओं पर एक ऐसा सुरक्षा जाल तैयार किया जाए जिसमें सेंसर, रडार और हथियार तैनात हों ताकि किसी भी संदिग्ध ड्रोन को तुरंत पहचानकर गिराया जा सके। नाटो के महासचिव मार्क रुटे ने भी इस विचार का समर्थन करते हुए इसे बेहद 'जरूरी और समय पर लिया गया कदम' बताया है। जर्मनी में हुई यह घटना अब यूरोप की सुरक्षा और सैन्य तैयारियों को मजबूत करने की आवश्यकता को और बढ़ा रही है।

गेम चेंजर! ट्रंप की गाज़ा शांति योजना को मिला पीएम मोदी का 'सबसे बड़ा' समर्थन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाज़ा में शांति लाने के लिए अपनी एक नई योजना पर मिल रहे वैश्विक समर्थन से बहुत खुश हैं। व्हाइट हाउस ने इस पहल को गाज़ा में शांति स्थापित करने की एक दूरदर्शी पहल बताया है। अमेरिका का दावा है कि दुनिया इस योजना को 'गेम चेंजर' मान रही है और खास तौर पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसका समर्थन किया है।

व्हाइट हाउस ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान जारी किया। बयान में कहा गया है कि वर्षों से चल रहे विनाशकारी युद्ध के बाद, ट्रंप की योजना एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती है। बयान में ज़िक्र किया गया है कि दुनिया के कई देशों ने इस योजना को 'गेम चेंजर' बताया है।

अमेरिकी प्रशासन ने बताया कि अरब देशों से लेकर पश्चिमी देशों तक के नेता इस योजना का समर्थन कर रहे हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर इस पहल का स्वागत करते हुए लिखा कि यह योजना इज़रायल और फ़िलिस्तीन के लोगों के लिए स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यावहारिक रास्ता दिखाती है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी संबंधित पक्ष इस पहल में सहयोग करेंगे। व्हाइट हाउस ने यह भी दावा किया है कि सऊदी अरब, जॉर्डन, यूएई, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्की, कतर और मिस्र के विदेश मंत्रियों ने भी साझा बयान जारी कर इस योजना का समर्थन किया है।

ट्रंप प्रशासन का मानना है कि यह पहल सिर्फ़ इलाके में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और सुरक्षा बढ़ाएगी। इस योजना के प्रमुख उद्देश्य गाज़ा में तुरंत लड़ाई बंद करना, सभी बंधकों को सुरक्षित रिहा करना, मानवीय सहायता सुनिश्चित करना और गाज़ा का पुनर्विकास करना और वहाँ स्थायी खुशहाली लाना है।

भीषण बम धमाके में 9 लोगों की गई जान, चारों ओर मचा हाहाकार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर शहर में गुरुवार को एक भीषण बम धमाका हुआ है जिसने पूरे इलाके को दहला दिया है। इस आतंकी घटना में कम से कम 9 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है जबकि 4 लोग घायल बताए जा रहे हैं जिनमें अधिकांश कानून प्रवर्तन अधिकारी शामिल हैं। यह विस्फोट तब हुआ जब सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर सड़क पर एक उपकरण लगाया गया था।

पुलिस अधिकारी मियां सईद ने बताया कि यह विस्फोट विशेष रूप से पुलिस और सुरक्षाबलों के अधिकारियों को निशाना बनाने के लिए कैपिटल सिटी में किया गया था। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि जिस विस्फोटक उपकरण का उपयोग किया गया था वह पुलिस वैन के रास्ते में लगाया गया था। उन्होंने कहा कि घायल हुए अधिकारियों की हालत गंभीर बनी हुई है। बम विस्फोट के बाद तुरंत बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को घटनास्थल पर तैनात किया गया और पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मसूद बंगश ने बताया कि कानून प्रवर्तन अधिकारी घटनास्थल की जांच में लगे हुए हैं और साक्ष्य इकट्ठे किए जा रहे हैं। यह पाकिस्तान में हाल ही में हुआ अकेला धमाका नहीं है।

इससे पहले 30 सितंबर को बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में फ्रंटियर कॉर्प्स हेडक्वार्टर के पास की एक सड़क पर भी शक्तिशाली विस्फोट हुआ था। उस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने की पीएम मोदी की तारीफ, बोले - वह एक 'बुद्धिमान नेता' हैं

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार (स्थानीय समय) को भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की खुलकर प्रशंसा की है। रूसी समाचार पत्र के हवाले से पुतिन ने पीएम मोदी को एक 'बुद्धिमान नेता' बताया और कहा कि वह हमेशा सबसे पहले अपने देश के हितों के बारे में सोचते हैं। पुतिन ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि भारत और रूस के बीच 'विशेष' संबंध हैं।

समाचार पत्र को दिए बयान में पुतिन ने कहा, 'मेरा मानना है कि भारत के लोग इसे और हमारे संबंधों को नहीं भूलते। लगभग 15 साल पहले हमने एक विशेष रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की थी। यही सबसे अच्छा वर्णन है। पीएम मोदी एक बहुत ही बुद्धिमान नेता हैं जो सबसे पहले अपने देश के बारे में सोचते हैं।'

रूसी राष्ट्रपति द्वारा पीएम मोदी की तारीफ ऐसे समय में आई है जब इस साल के अंत में पुतिन की भारत यात्रा की खबरें हैं। राष्ट्रपति पुतिन की यात्रा से पहले, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के भी भारत आने की उम्मीद है। लावरोव, शिखर सम्मेलन की तैयारियों और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे। 27 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में लावरोव ने घोषणा की थी कि रूसी राष्ट्रपति दिसंबर में नई दिल्ली की यात्रा पर आ सकते हैं। यह बयान चल रही कूटनीतिक तैयारियों की तरफ इशारा करता है।

वल्दाई डिस्कशन क्लब में बोलते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने एक और अहम मुद्दा उठाया। उन्होंने भारत द्वारा रूसी तेल के आयात पर अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर बात की। पुतिन ने साफ किया कि अगर भारत रूसी तेल खरीदना बंद कर देता है, तो उसे 9 से 10 अरब डॉलर का बड़ा आर्थिक नुकसान हो सकता है। पुतिन ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी विदेशी दबाव के आगे नहीं झुकेंगे। उन्होंने भारत की गरिमा और रणनीतिक स्वायत्तता का खुलकर समर्थन किया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)